वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष:6 अंक: 1 | मंगलवार 26 मई 2026 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने गंगा दशहरा पर विधानसभा उद्यान में लगाया कल्पवृक्ष

लोग जल संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभायें : देवनानी

विश्व पर्यावरण दिवस तक प्रतिदिन विधान सभा उद्यान में लगाये जायेंगे दो पौधे

प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाकर ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जा सकता है

गंगा दशहरा की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान विधान सभा उद्यान में गंगा दशमी 25 मई, सोमवार से विश्व पर्यावरण दिवस 5 जून, शुक्रवार तक प्रतिदिन दो पौधे लगाये जायेंगे। इसके तहत विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने विधानसभा उद्यान में सोमवार को कल्प वृक्ष का पौधा लगाकर वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान का शुभारम्भ किया। विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने भी उद्यान में कल्प वृक्ष का पौधा लगाया। स्पीकर देवनानी ने गंगा दशहरा की प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक रहना होगा। उन्होंने कहा कि यह पर्व प्रकृति संरक्षण का संदेश देता है। समाज में सकारात्मक ऊर्जा, भाईचारे और लोक कल्याण की भावना को सुदृढ़ करता है। देवनानी ने लोगों का आह्वान किया है कि सभी लोग पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभायें। स्पीकर देवनानी ने कहा कि भारतीय संस्कृति, आस्था और जीवनदायिनी प्रकृति का प्रतीक हैं। गंगा दशमी आध्यात्मिक आस्था के पर्व के साथ जल संरक्षण और स्वच्छता के प्रति जनजागरण का भी संदेश देता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण सबसे बड़ी आवश्यकता बन गई है। जल स्त्रोतों का संरक्षण, नदियों की स्वच्छता, वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त वातावरण के लिए प्रत्येक नागरिक को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी निभाकर ही आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण प्रदान किया जा सकता है।

हरित अभियान से जुड़ें युवा

स्पीकर देवनानी ने युवाओं और सामाजिक संगठनों से आह्वान किया कि वे हरित अभियान से जुड़कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में सहभागी बनें। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति सदैव प्रकृति पूजन और पर्यावरण संतुलन की प्रेरणा देती है, जिसे हमें अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

राज्यपाल ने राधा माधव मंदिर में सभी के मंगल की कामना की

जयपुर . कासं। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े सोमवार को कनक घाटी स्थित श्री राधा माधव मंदिर पहुंचे। वहां उन्होंने राधा माधव के दर्शन किए और सभी के मंगल की कामना की। बाद में हरिभाऊ बागड़े मंदिर परिसर में सामूहिक यज्ञोपवीत संस्कार में भी सम्मिलित हुए। उन्होंने वहां बटुकों को आशीर्वाद स्वरूप दक्षिणा दी तथा कहा कि जनेऊ मात्र एक धागा नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति, उच्च आदर्शों और अनुशासन का प्रतीक है। उन्होंने बटुकों से धर्म के मार्ग पर चलने, बड़ों का आदर करने और समाज में ज्ञान व सेवा का प्रसार करने का आह्वान किया।

"वॉक इन साड़ी:सीजन 1" का भव्य आयोजन, भारतीय संस्कृति और साड़ी को मिला विशेष सम्मान

जयपुर. शाबाश इंडिया

चेरिशिंग रूट्स फाउंडेशन एवं भारतीय संस्था द्वारा आयोजित "वॉक इन साड़ी: सीजन 1" का भव्य आयोजन टोंक रोड स्थित मालाबार गोल्ड एंड डायमंड शोरूम में किया गया। कार्यक्रम में 13 वर्ष से लेकर 75 वर्ष तक की महिला प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारतीय परिधान साड़ी की गरिमा को मंच पर प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की मुख्य आयोजक अमृता सक्सेना ने बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी में साड़ी के प्रति आकर्षण बढ़ाना तथा भारतीय संस्कृति और पारंपरिक वेशभूषा को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने कहा, "साड़ी केवल वस्त्र नहीं, बल्कि माँ का आँचल, भारतीय संस्कृति, नारी सम्मान और आत्मविश्वास का प्रतीक है।" कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राजस्थान पब्लिक ट्रस्ट बोर्ड देवस्थान विभाग के पूर्व सदस्य एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री भारत वर्षीय दिगम्बर जैन महासभा बसंत जैन बैराठी रहे। विशिष्ट अतिथियों में डॉ. रमा दत्त, प्रियंका गोयल, नवल किशोर शर्मा, समीक्षा जैन, एडवोकेट संजय बाहेती, जय वशिष्ठ सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान गणेश की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर बसंत जैन बैराठी, डॉ. रमा दत्त, अमृता सक्सेना, प्रियंका गोयल तथा वंशिता सक्सेना उपस्थित रहीं। निर्णायक मंडल में राहुल शर्मा, माधुरी कुमार, जया मानरल, वैष्णवी सुथार एवं सुशीला सारस्वत शामिल रहीं। कार्यक्रम के प्रायोजकों में सरस्वती प्रिंटिंग प्रेस, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड, लंदन बेरी, गोपाल फैब्रिक, ए.जी. ज्वेल्स, बेटी एक मुस्कान एवं मिस लंदन बाइट्स शामिल रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न श्रेणियों के विजेताओं को क्राउन, ट्रॉफी एवं सिल्वर नोट देकर सम्मानित किया गया। मुख्य विजेताओं में राइजिंग दीवा विनर चक्रिका वर्श्नेय, रियल रेडियंस विनर सोनाली राठौर, टाइमलेस ब्यूटी विनर डॉ. अनीता परिहार तथा गोल्डन ग्रेस विनर सुनीता शर्मा रहीं। इसके अतिरिक्त लक्षिता शर्मा, कमलेश शर्मा, नूतन शर्मा, प्रतिभा मिश्रा, सावित्री शर्मा, पूजा शर्मा, पुष्पा माहेश्वरी, हेमलता चौहान, लता तिवारी सहित अन्य प्रतिभागियों को भी सम्मानित किया गया। सर्वाधिक प्रतिभागियों की एंट्री कराने पर संतोष मिश्रा को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। मदर्स डे विशेष ऑनलाइन प्रतियोगिता "माँ : एक पुनर्जन्म" के विजेताओं में मेनू भारद्वाज, बेबी जैन, मीना गोखलानी, डॉ. वर्षा लता, स्वर्ण लता दाधीच एवं लता तिवारी शामिल रहीं। इस अवसर पर आगामी कार्यक्रम "लहरिया उत्सव" के पोस्टर का भी विमोचन किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार करने में वंशिता सक्सेना, को-फाउंडर प्रदीप फागवानी एवं कोषाध्यक्ष वान्या सक्सेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। वहीं ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्रों का सहयोग सरस्वती प्रिंटिंग द्वारा प्रदान किया गया।

त्रिवेणी नगर में धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर का महासमिति पदाधिकारियों ने किया अवलोकन

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति अंचल के तत्वावधान में आयोजित संस्कार शिक्षण शिविर के अंतर्गत रविवार को त्रिवेणी नगर दिगंबर जैन मंदिर स्थित संत भवन में संचालित शिविर का निरीक्षण महासमिति पदाधिकारियों द्वारा किया गया। शिविर का अवलोकन पंडित कैलाश चंद मलाया, महावीर बाकलीवाल, डॉ. बी.सी. जैन, डॉ. नमोकार, प्रज्ञा जैन एवं महिला अंचल अध्यक्ष शकुंतला बिंदायका द्वारा किया गया। त्रिवेणी नगर शिविर के संयोजक अशोक कुमार पापड़ीवाल ने बताया कि कार्यक्रम से पूर्व सभी पदाधिकारियों एवं अतिथियों का तिलक, माला एवं दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया गया। निरीक्षण के दौरान बच्चों से धर्म एवं संस्कारों से जुड़े प्रश्न पूछे गए, जिनका उत्तर बच्चों ने आत्मविश्वास एवं सहजता के साथ दिया। शिविर में बच्चों के साथ-साथ बड़े भी सहभागिता कर धर्म लाभ प्राप्त कर रहे हैं। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन परिषद के प्रचार संयोजक राजस्थान प्रांत के नरेश कासलीवाल ने बताया कि शिविर की विशेषता यह है कि शिक्षण कार्य त्रिवेणी नगर की महिलाओं द्वारा प्रभावी ढंग से संचालित किया जा रहा है। इनमें श्रीमती वंदना अजमेरा, श्रीमती बबीता लुहाड़िया, श्रीमती प्रीति रारा, श्रीमती साधना छाबड़ा एवं श्रीमती सपना जैन प्रमुख रूप से शामिल हैं। पाठशाला में बच्चों को भक्तामर स्तोत्र की उपयोगिता, छहढाला, नैतिक मूल्यों एवं भगवान भगवान पार्श्वनाथ के उपसर्गों से संबंधित धार्मिक शिक्षा प्रदान की जा रही है। मंदिर समिति के उपाध्यक्ष महावीर कासलीवाल ने बताया कि इस अवसर पर राकेश छाबड़ा, कैलाश सोगानी, विनय पाटनी, एन.के. सेठी, राजेंद्र पाटनी, अप्पू कासलीवाल, नवीन बज, त्रिवेणी नगर महिला मंडल अध्यक्ष शिमला पापड़ीवाल, मीना पाटनी, मनोरमा देवी चांदवाड़, रंजना, बेला पाटनी, सरोज, आशा बज, संतोष पाटोदी, दीपिका अनोपड़ा एवं अपेक्षा कासलीवाल सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु उपस्थित रहे।

मदुरै तेरापंथ सभा भवन में शपथ ग्रहण समारोह गरिमापूर्ण वातावरण में सम्पन्न

मदुरै. शाबाश इंडिया

मदुरै तेरापंथ सभा के सभा भवन में वर्ष 2026-28 की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भक्ति एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ तेरापंथ महिला मंडल की बहनों द्वारा नमस्कार महामंत्र के सामूहिक संगान के साथ हुआ। सभा के निवर्तमान मंत्री अभिषेक कोठारी ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा नवनिर्वाचित अध्यक्ष गौतमचंद गोलेछा को अध्यक्षीय उद्बोधन हेतु आमंत्रित किया। अपने संबोधन में गौतमचंद गोलेछा ने वर्ष 2026-28 के लिए पुनः अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपने पर समाजजनों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे सदैव संघ हित को सर्वोपरि रखते हुए कार्य करेंगे तथा मदुरै तेरापंथ समाज के विकास के लिए पूर्ण समर्पण से प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने सभी से निरंतर सहयोग बनाए रखने का भी आग्रह किया। सभा के निवर्तमान अध्यक्ष अशोक कुमार जीरावला ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष को शुभकामनाएं देते हुए शपथ दिलाई। इसके बाद अध्यक्ष गौतमचंद गोलेछा ने अपनी नई कार्यकारिणी की घोषणा कर सभी पदाधिकारियों को मंच पर आमंत्रित किया तथा पूरी टीम को शपथ ग्रहण करवाई। इस अवसर पर सभा की ओर से अशोक कुमार जीरावला ने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मंत्री, सहमंत्री एवं कोषाध्यक्ष का दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। वहीं नैनमल कोठारी एवं मोहनलाल गोलेछा ने जैन दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनंदन किया। सभा के वरिष्ठ सदस्य निर्मल कुमार पारख ने शॉल ओढ़ाकर सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में मधु पारख, विशाल गीया सहित कई समाजसेवियों एवं गणमान्यजनों ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं दीं। जैन समाज के विभिन्न संगठनों से आए प्रतिनिधियों ने भी उपस्थित होकर नई कार्यकारिणी का अभिनंदन किया। अंत में सभा के मंत्री अभिनंदन बागरेचा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। संघगान एवं

''जय जय ज्योति चरण'' के सामूहिक उदघोष के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ और पूरा सभा भवन भक्तिमय वातावरण से गुंजायमान हो उठा।

मदुरै तेरापंथ सभा : नवगठित कार्यकारिणी 2026-28
अध्यक्षः गौतमचंद गोलेछा
उपाध्यक्षः धीरज दूगड़, राजकुमार जी. नाहटा
मंत्रीः अभिनंदन बागरेचा
सहमंत्रीःपवन चोपड़ा, कमलेश सकलेचा
कोषाध्यक्षः धीरज कुमार पारख
संगठन मंत्रीः जितेंद्र गोलछा
सलाहकार मंडल
नैनमल कोठारी
श्रवण कुमार बोथरा
विजय सिंह भटेरा
मोहनलाल गोलेछा
अन्य दायित्व
सामायिक प्रभारीः मोहनलाल तातेड, प्रवीण कुमार बुरड़
मीडिया प्रभारीः अशोक कुमार जीरावला
तेरापंथ नेटवर्क प्रभारीः अक्षय लोढ़ा
ज्ञानशाला प्रभारीः धनराज लोढ़ा
ज्ञानशाला संयोजिका-सुनीता कोठारी
जैन विद्या परीक्षा प्रभारी-बबीता लोढ़ा

कमेटी सदस्य

नितेश कोठारी, पंकज कोठारी, मोहनलाल बोथरा, श्रेयांश डागा, गौतमचंद पालगोता, अमृतलाल चोपड़ा, विनीत बोथरा, महावीर भंसाली, अरुण गोलेछा, विकास सकलेचा एवं हर्ष भटेरा। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महानुभावों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए मंगलकामना की कि गुरुदेव की कृपा से सभा धर्म, संगठन एवं सेवा के क्षेत्र में निरंतर नई ऊंचाइयों को प्राप्त करे।

आईसीएआई ब्यावर शाखा द्वारा बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता 2026 का आयोजन

विशेष जनसंपर्क मैत्री मैच में आयकर विभाग रहा विजेता

ब्यावर. शाबाश इंडिया

सरकारी विभागों एवं सीए समुदाय के मध्य समन्वय, सौहार्द और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आईसीएआई ब्यावर शाखा द्वारा ''बॉक्स क्रिकेट प्रतियोगिता 2026'' का उत्साहपूर्ण आयोजन किया गया। बिजयनगर रोड स्थित 7-11 टर्फ मैदान पर आयोजित इस विशेष जनसंपर्क मैत्री मैच में आयकर विभाग, एसजीएसटी विभाग एवं सीए समुदाय की टीमों ने शानदार खेल प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाखा सचिव सीए अंकुर गोयल द्वारा सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों के स्वागत के साथ हुआ। शाखा अध्यक्ष सीए प्रितेश बडोला ने स्वागत उद्बोधन देते हुए प्रतियोगिता की औपचारिक शुरूआत की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय एवं सकारात्मक संबंधों को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सीए समुदाय की टीम का नेतृत्व सीए मनीष व्यास ने किया, जबकि आयकर विभाग की टीम की कप्तानी उप आयुक्त आयकर, अजमेर देवेंद्र सिंह ने संभाली। वहीं एसजीएसटी विभाग की टीम को उप आयुक्त सर्वेश्वर राठौड़ एवं उप आयुक्त कविता चांडक का मार्गदर्शन प्राप्त रहा तथा टीम की कप्तानी सहायक आयुक्त ओमप्रकाश गुर्जर ने की। प्रतियोगिता के दौरान सभी टीमों के बीच रोमांचक एवं प्रतिस्पर्धात्मक मुकाबले खेले गए। विशेष मैत्री मैच में आयकर विभाग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजेता बनने का गौरव प्राप्त किया। पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों एवं दर्शकों में उत्साह और खेल भावना का विशेष माहौल देखने को मिला। कार्यक्रम को सफल एवं आकर्षक बनाने में शाखा उपाध्यक्ष सीए आभास हालाखंडी, कोषाध्यक्ष सीए आशय छल्लाणी एवं सीकासा अध्यक्ष सीए अमित सुराणा का विशेष योगदान रहा। तीनों ने कॉमेंट्री एवं व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभालते हुए आयोजन को व्यवस्थित एवं मनोरंजक बनाया। इस अवसर पर आयकर अधिकारी महेश मालानी एवं सहायक आयुक्त कमल असूदानी की विशेष उपस्थिति रही। प्रतियोगिता के समापन पर विजेता एवं सभी प्रतिभागी टीमों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में शाखा के वरिष्ठ सदस्य सीए आर.सी. गोयल, सीए अजय शर्मा, सीए हिरेन भंडारी, सीए चिराग पारख, सीए एस.एस. गुप्ता, सीए एस.एन. शर्मा, सीए हितेश वसंदानी, सीए मनीष मेहता, सीए आशीष बोहरा, सीए विनोद मोरवानी एवं सीए रोनित कासलीवाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। साथ ही जीएसटी एवं आयकर विभाग के अजमेर एवं ब्यावर से आए अधिकारियों ने भी अपनी सहभागिता से आयोजन की शोभा बढ़ाई। आईसीएआई ब्यावर शाखा द्वारा आयोजित यह प्रतियोगिता विभिन्न सरकारी विभागों एवं सीए समुदाय के मध्य बेहतर समन्वय, सौहार्द और खेल भावना को सशक्त बनाने का सफल प्रयास सिद्ध हुई।

राजनीति

मौत और जीवन की सच्चाई...

संजय गोस्वामी

मृत्यु के बाद जीवन की सच्चाई आज भी विज्ञान और अध्यात्म, दोनों के लिए एक गहरी पहेली बनी हुई है। मृत्यु के करीब के अनुभवों यानी ''नियर-डेथ एक्सपीरियंस'' पर शोध करने वाले वैज्ञानिकों और पैरासाइकोलॉजिस्टों ने इस विषय पर लंबे समय से अध्ययन किया है। उनका मानना है कि कुछ घटनाएं यह संकेत देती हैं कि चेतना केवल मस्तिष्क तक सीमित नहीं हो सकती। पैरासाइकोलॉजिस्ट वे शोधकर्ता हैं जो उन अनुभवों का अध्ययन करते हैं, जो पारंपरिक विज्ञान की सीमाओं को चुनौती देते हैं। इनमें कई चिकित्सक और मनोचिकित्सक भी शामिल रहे हैं, जिन्होंने आईसीयू में गंभीर मरीजों के अनुभवों को करीब से देखा। उनका उद्देश्य यह समझना था कि क्या मृत्यु के बाद भी चेतना किसी रूप में बनी रह सकती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान के विकास के साथ ''सीपीआर'' यानी कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन तकनीक ने मृत्यु की पारंपरिक परिभाषा को चुनौती दी है। पहले माना जाता था कि हृदय की धड़कन रुकते ही जीवन समाप्त हो जाता है, लेकिन अब वैज्ञानिकों ने पाया है कि मृत्यु कोई एक क्षण नहीं, बल्कि एक प्रक्रिया है। कार्डियक अरेस्ट के बाद शरीर में रक्त और ऑक्सीजन का प्रवाह रुक जाता है, कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं और मस्तिष्क की विद्युत गतिविधि धीमी पड़ जाती है, लेकिन कई बार आधुनिक तकनीकों की मदद से व्यक्ति को फिर जीवित किया जा सकता है। ऐसे अनेक उदाहरण सामने आए हैं। 2011 में जापान में एक युवती को ड्रग्स की अधिक मात्रा लेने के बाद छह घंटे तक मृत अवस्था में रहने के बावजूद पुनर्जीवित कर लिया गया। इसी प्रकार 2019 में ब्रिटेन की ऑड्रे शोमैन बर्फीले तूफान में फंसने के बाद छह घंटे तक कार्डियक अरेस्ट में रहीं, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें सफलतापूर्वक जीवनदान दे दिया। इन घटनाओं ने वैज्ञानिकों को यह सोचने पर मजबूर किया कि मृत्यु की अंतिम सीमा आखिर क्या है। अमेरिकी शोधकर्ता रेमंड मूडी ने ''नियर-डेथ एक्सपीरियंस'' पर महत्वपूर्ण अध्ययन किए। वहीं ब्रूस ग्रेसन का कहना है कि जब दिल धड़कना बंद कर देता है, तब लगभग 20 सेकंड में मस्तिष्क की गतिविधि समाप्त हो जाती है।

संपादकीय

राष्ट्र की एकता को मजबूत करें

जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना अरशद मदनी के हालिया बयान ने एक बार फिर देश के सामने एक महत्वपूर्ण मुद्दा खड़ा कर दिया है। उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की है कि गाय को औपचारिक रूप से राष्ट्रीय पशु घोषित किया जाए। यह मांग केवल सांस्कृतिक और धार्मिक भावनाओं का सम्मान भर नहीं है, बल्कि सामाजिक सद्भाव, कानून व्यवस्था और राजनीतिक तनाव को कम करने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण पहल हो सकती है। भारतीय संस्कृति में गाय का स्थान सदियों से विशेष रहा है। हिंदू धर्म में गौ-माता को पूजनीय माना जाता है। प्राचीन समय से गाय कृषि, दुग्ध उत्पादन, गोबर और आयुर्वेदिक चिकित्सा का आधार रही है। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी गौ-रक्षा एक महत्वपूर्ण प्रतीक रही। आजादी के बाद कई राज्यों में गौ-हत्या पर प्रतिबंध लगाया गया, लेकिन अब तक गाय को राष्ट्रीय पशु का दर्जा नहीं मिल पाया है। मौलाना मदनी का बयान इसी दिशा में एक नई बहस को जन्म देता है। मौलाना मदनी ने कहा कि जब देश की बहुसंख्यक आबादी गाय को मां के रूप में सम्मान देती है, तो सरकार को इसे राष्ट्रीय पशु घोषित करने में देरी नहीं करनी चाहिए। उनका मानना है कि इससे गौ-हत्या, मॉब लिंचिंग और इससे जुड़े राजनीतिक विवादों पर रोक लगाने में मदद मिल सकती है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि कानून सभी पर समान रूप से लागू होना चाहिए चाहे कोई गाय बेचने वाला हो, खरीदने वाला, काटने वाला या उसका उपभोग करने वाला।

भारत में मोर को राष्ट्रीय पक्षी और बाघ को राष्ट्रीय पशु का दर्जा प्राप्त है। ऐसे में गाय, जो करोड़ों भारतीयों की आस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यावरण से जुड़ी हुई है, उसे यह सम्मान क्यों नहीं मिलना चाहिए? पड़ोसी देश नेपाल में गाय पहले से राष्ट्रीय पशु है। भारत भी अपनी सांस्कृतिक विरासत को संवैधानिक पहचान दे सकता है। गाय का संरक्षण केवल धार्मिक विषय नहीं, बल्कि पर्यावरण और ग्रामीण विकास से भी जुड़ा है। गोबर से जैविक खाद, गोमूत्र से औषधियां और गो-आधारित कृषि मॉडल आत्मनिर्भर भारत की अवधारणा को मजबूत कर सकते हैं। राष्ट्रीय पशु का दर्जा मिलने से गौ-पालन को प्रोत्साहन मिलेगा, संरक्षण कानून अधिक प्रभावी होंगे और अवैध गौ-तस्करी पर अंकुश लगाया जा सकेगा। मौलाना मदनी का यह बयान इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि यह मुस्लिम समुदाय के एक प्रमुख धार्मिक नेता की ओर से आया है। उन्होंने कहा कि मुसलमानों को इस निर्णय पर कोई आपत्ति नहीं होनी चाहिए, बल्कि इससे समाज में शांति और सद्भाव बढ़ेगा। उनका तर्क है कि गाय के नाम पर होने वाली हिंसा और नफरत की राजनीति को समाप्त करने के लिए स्पष्ट और समान कानून आवश्यक हैं। देश में गौ-रक्षा और गौ-हत्या को लेकर समय-समय पर विवाद और हिंसक घटनाएं सामने आती रही हैं। कई बार राजनीतिक दलों ने भी इस मुद्दे को वोट बैंक की राजनीति से जोड़ा। यदि गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित कर एक समान नीति बनाई जाती है, तो इससे समाज में न्याय और संतुलन की भावना मजबूत हो सकती है।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

शिक्षकों पर गैर-शैक्षणिक कार्यों का बढ़ता बोझ

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

भारत में लंबे समय से यह बहस चल रही है कि शिक्षकों का मूल दायित्व विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है या फिर उन्हें चुनाव, जनगणना, आर्थिक सर्वेक्षण, पल्स पोलियो अभियान, मतदाता सूची पुनरीक्षण और अन्य प्रशासनिक कार्यों में लगातार लगाया जाना चाहिए। देश के अनेक राज्यों में शिक्षकों को यहां तक कि आवारा कुत्तों की गणना जैसे कार्यों में भी लगाया गया है। शासन का तर्क रहता है कि शिक्षक अनुशासित और जिम्मेदार कर्मचारी होते हैं, इसलिए वे प्रशासनिक कार्यों के लिए उपयुक्त हैं। वहीं शिक्षा विशेषज्ञों, अभिभावकों और स्वयं शिक्षकों का कहना है कि इससे पढ़ाई प्रभावित होती है और शिक्षा की गुणवत्ता पर नकारात्मक असर पड़ता है। इसी पृष्ठभूमि में बॉम्बे हाईकोर्ट का 22 मई 2026 का अंतरिम आदेश अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अदालत ने महाराष्ट्र के निजी गैर-सहायता प्राप्त और अल्पसंख्यक स्कूलों के शिक्षकों तथा गैर-शिक्षण कर्मचारियों को जनगणना कार्य में लगाने पर 31 जुलाई 2026 तक रोक लगा दी। यह आदेश केवल प्रशासनिक राहत नहीं, बल्कि शिक्षा व्यवस्था की मूल भावना की रक्षा का प्रयास माना जा रहा है। यह मामला ''अनएडेड स्कूल्स फोरम एंड अदर्स बनाम स्टेट ऑफ महाराष्ट्र'' से जुड़ा है। सुनवाई के दौरान अदालत ने प्रथम दृष्टया माना कि जनगणना अधिनियम 1948 में ऐसा कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जो निजी गैर-सहायता प्राप्त स्कूलों को अपने शिक्षकों और कर्मचारियों को जनगणना कार्य के लिए उपलब्ध कराने हेतु बाध्य करता हो। अदालत ने कहा कि किसी भी प्रशासनिक शक्ति का प्रयोग तभी वैध माना जाएगा, जब उसके पीछे स्पष्ट कानूनी आधार मौजूद हो। राज्य सरकार ने अदालत में दलील दी कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 27 के अंतर्गत शिक्षकों को जनगणना, चुनाव और आपदा राहत जैसे सीमित गैर-शैक्षणिक कार्यों में लगाया जा सकता है। लेकिन अदालत ने स्पष्ट किया कि यह धारा केवल अपवाद बताती है, यह राज्य को असीमित अधिकार नहीं देती। यदि शिक्षकों पर अतिरिक्त दायित्व डालना है तो उसके लिए स्पष्ट नियम और वैधानिक प्रावधान आवश्यक हैं। अदालत ने शिक्षा के अधिकार को भी गंभीरता से लिया। संविधान के अनुच्छेद 21ए के अंतर्गत शिक्षा बच्चों का मौलिक अधिकार है। यदि शिक्षक लगातार गैर-शैक्षणिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो नियमित कक्षाएं प्रभावित होंगी और विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होगी। अदालत ने कहा कि प्रशासनिक सुविधा और बच्चों के शैक्षणिक हितों के बीच संतुलन बनाए रखना राज्य की जिम्मेदारी है। इस मामले का एक महत्वपूर्ण पहलू अल्पसंख्यक शिक्षण संस्थानों के अधिकारों से भी जुड़ा है। संविधान का अनुच्छेद 30 अल्पसंख्यकों को अपनी पसंद के शैक्षणिक संस्थान संचालित करने का अधिकार देता है। अदालत ने माना कि बार-बार सरकारी कार्यों में शिक्षकों की तैनाती संस्थागत स्वायत्तता को प्रभावित कर सकती है। यह निर्णय इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत में वर्षों से शिक्षकों को चुनावी और प्रशासनिक कार्यों में लगाया जाता रहा है। विकसित देशों में ऐसे कार्यों के लिए अलग प्रशासनिक ढांचा होता है, जबकि भारत में शिक्षा व्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डाला जाता है। छोटे निजी विद्यालयों में एक-दो शिक्षकों की अनुपस्थिति भी पूरी पढ़ाई को प्रभावित कर देती है। अतः बॉम्बे हाईकोर्ट का यह आदेश शिक्षा की गरिमा, संवैधानिक सीमाओं और विधि के शासन की रक्षा करने वाला ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है।

संघर्षों से घबराएं नहीं, आत्मविश्वास और कौशल विकास से हर मंजिल हो सकती है आसान

जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडिज विंग का प्रेरणादायक 'स्किल स्फीयर' कार्यक्रम सम्पन्न, महिलाओं और युवाओं को आत्मनिर्भर बनने का दिया संदेश

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जीतो भीलवाड़ा चैप्टर लेडिज विंग द्वारा सक्षम प्रोजेक्ट के तहत स्किल डवलपमेंट (कौशल विकास) के लक्ष्य से ''स्किल स्फीयर-लर्न, ग्रो एंड राइज'' विषय पर प्रेरणादायक व्यक्तिव विकास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कोठारी 245, लॉ इडन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य वक्ता नगर परिषद की पूर्व सभापति एडवोकेट मंजू पोखरना, समाजसेवी श्रीमती कमला चौधरी, पर्यावरणविद् श्रीमती रेखा कोठारी एवं महात्मा गांधी हॉस्पिटल में ईएनटी विभाग की हेड डॉ. लीना जैन, शिक्षाविद स्विफ्ट कॉलेज एवं द स्विफ्ट मॉडल स्कूल भीलवाड़ा की चेयरपर्सन डॉ. अपर्णा सामसुखा ने मार्गदर्शन प्रदान किया। प्रारंभ में पधारे हुए सदस्यों का स्वागत जीतो लेडिज विंग की चेयरपर्सन नीता बाबेल ने किया। उन्होंने कहा कि ये आयोजन महिलाओं एवं युवाओं को आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सक्षम बनाने की दिशा में सार्थक पहल है। हमारा लक्ष्य है कि हर प्रतिभागी अपने भीतर छुपी हुई प्रतिभा को पहचाने एवं नए कौशल सीख जिंदगी में निरन्तर सफलताएं प्राप्त कर नई उंचाईयों को छुएं। इसके लिए कार्यक्रम में मुख्य वक्ताओं के रूप में विभिन्न क्षेत्रों के ऐसे प्रतिष्ठित प्रेरणादायी व्यक्तिव आमंत्रित किए गए है जिन्होंने अपनी जिंदगी में कड़ी मेहनत एवं संघर्ष से सफलता के नए मुकाम हासिल किए है। तत्पश्चात नीता बाबेल, अर्चना पाटोदी, मंजू पोखरना, कमला चौधरी, रेखा कोठारी, लीना जैन, अपर्णा सामसूखा ने नवकार मंत्र के साथ कार्यक्रम को प्रारंभ किया। जीतो लेडीज विंग की चीफ सेकेट्री अर्चना पाटोदी ने कार्यक्रम का उद्देश्य के बारे मे बताते हुए कहा कि महिलाओं एवं समाज के विभिन्न वर्गों को शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं व्यक्तित्व विकास के प्रति जागरूक करना है। आयोजन में मुख्य वक्ताओं से बातचीत ओर कुशल संचालन स्मिता पीपाड़ा ने किया। कार्यक्रम में पूर्व सभापति एडवोकेट मंजू पोखरना ने महिला अधिकारों, सामाजिक न्याय एवं कानूनी जागरूकता पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनने एवं अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया साथ ही समाज में सकारात्मक बदलाव लाने हेतु शिक्षा और कानून की जानकारी को आवश्यक बताया। समाजसेवी कमला चौधरी ने समाज सेवा एवं महिला सशक्तिकरण के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि महिलाओं को आत्मविश्वास के साथ समाज में आगे बढ़ना चाहिए तथा सामुदायिक सहयोग से समाज में बेहतर परिवर्तन लाया जा सकता है। पर्यावरणविद् रेखा कोठारी ने पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता एवं प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी पर प्रेरणादायक विचार रखते हुए सभी को पर्यावरण बचाने हेतु छोटे-छोटे प्रयास करने का संदेश दिया और हरित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। एमजी हॉस्पिटल की ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. लीना जैन ने स्वास्थ्य जागरूकता, महिला स्वास्थ्य एवं संतुलित जीवनशैली पर महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने स्वास्थ्य को जीवन की सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए नियमित जांच एवं स्वस्थ आदतों को अपनाने का संदेश दिया। स्विफ्ट कॉलेज एवं द स्विफ्ट मॉडल स्कूल, भीलवाड़ा की चेयरपर्सन डॉ. अपर्णा सामसुखा ने शिक्षा, कौशल विकास एवं व्यक्तित्व निर्माण पर प्रेरणादायक विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने युवाओं एवं महिलाओं को आधुनिक शिक्षा एवं स्किल डेवलपमेंट के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम कन्वेनर रचना मेहता एवं नीलू पोखरना एवं कॉ-कन्वेनर शोभिका खंजाची एवं कविता नाहर ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करके उनका आभार जताया। उन्होंने बताया कि ये आयोजन उन महिलाओं के लिए बहुत उपयोगी है जो अपने जीवन में आत्मविश्वास के साथ सकारात्मक पहचान बनाना चाहती है। आभार जीतो लेडिज विंग की चीफ सैकेट्री अर्चना पाटोदी ने जताया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं एवं अतिथियों ने वक्ताओं के विचारों की सराहना की। ''स्किल स्फीयर'' कार्यक्रम ने सीखने, आगे बढ़ने और आत्मविकास की दिशा में एक प्रेरणादायक मंच प्रदान किया। इस अवसर पर अमिता बाबेल, प्रीति जैन, सरिता शाह, स्मिता पीपाड़ा, लाड जी मेहता, प्रीति पोखरना, मंजू खटवड, प्रमिला सूर्या, सुशीला चौधरी, निर्मला बुलिया, बलवीर चोरड़िया, सोनल मेहता, अंजुला डांगी, रचना मेहता, दीपा सिसोदिया, किरण तेजावत, विमला देवी लुहाड़िया, पुष्पा नाहटा, उर्मिला सांड, मंजू सांड सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित हुए।

नीता बाबेल
@ 9414157222

बाल प्रकाश आवासीय विद्यालय में सोलर एवं स्ट्रीट लाइट के साथ भोजन सेवा प्रदान

अजमेर. शाबाश इंडिया

विश्व के सबसे बड़े सेवा संगठन लायंस क्लब्स इंटरनेशनल 3233 ई-2 के प्रांतपाल राम किशोर गर्ग द्वारा प्रांत को दिए गए प्रमुख कार्यक्रम ''आओ खुशियां बांटे'' के अंतर्गत लायंस क्लब अजमेर आस्था द्वारा सेवा कार्य संपन्न किया गया। क्लब के वरिष्ठ सदस्य विनय कुमार लोढ़ा के सहयोग से अजमेर के आदर्श नगर थाना क्षेत्र के पीछे बड़गांव स्थित बाल प्रकाश आवासीय विद्यालय में अध्ययनरत जरूरतमंद एवं असहाय बच्चों के लिए एक समय के भोजन की व्यवस्था की गई। इसके साथ ही विद्यालय परिसर में एक बड़ी सोलर लाइट एवं दो स्ट्रीट लाइट भी भेंट की गईं। क्लब अध्यक्ष मुकेश कर्णावट ने बताया कि यह सेवा कार्य विनय कुमार लोढ़ा के नन्हे पौत्र अद्विक लोढ़ा, सुपुत्र निखिल लोढ़ा के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम संयोजक एवं क्लब के जनसंपर्क अधिकारी अतुल पाटनी ने लोढ़ा परिवार के सेवा भाव के प्रति आभार व्यक्त करते हुए बताया कि इस आवासीय विद्यालय में लगभग 80 बच्चे निशुल्क शिक्षा के साथ संस्कार भी ग्रहण कर रहे हैं। इस अवसर पर उपस्थित सभी सदस्यों ने सेवा कार्यों को समाज के लिए प्रेरणादायक बताते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के जनकल्याणकारी कार्यक्रम आयोजित करने का संकल्प व्यक्त किया।

श्री नवदुर्गा मित्र मंडल बरवाला द्वारा मां भगवती का 13वां विशाल जागरण आयोजित

हिसार. शाबाश इंडिया

श्री नवदुर्गा मित्र मंडल के तत्वावधान में वार्ड नंबर 2, जावा मोहल्ला बरवाला में मां भगवती का 13वां विशाल जागरण श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त किया। मंडल के प्रधान मनोज अनेजा एवं एडवोकेट सचिन मेहता ने बताया कि मां की पावन ज्योत ज्वाला जी मंदिर से लाई गई, जिससे पूरे जागरण स्थल का वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में एडवोकेट नमन गोयल द्वारा गणेश पूजन किया गया, जबकि ज्योत प्रज्वलन युवा भाजपा नेता राहुल चोपड़ा ने किया। कंजक पूजन प्रमुख समाजसेवी मुकेश मित्तल द्वारा संपन्न कराया गया। वहीं माता की चुनरी युवा समाजसेवी आयुष शर्मा ने अर्पित की तथा माता की आरती पार्षद दिनेश बजाज द्वारा करवाई गई। कार्यक्रम का मंच संचालन पार्षद राजा मेहता ने प्रभावशाली ढंग से किया। जागरण में दिल्ली से आई भजन गायिका आयुषी राज, हिसार से सोनम मल्होत्रा, बरवाला से बाल भजन कलाकार चेतन भुटानी तथा उकलाना से शेखर शर्मा ने अपनी मधुर प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। धार्मिक भजनों पर श्रद्धालु देर रात तक झूमते रहे और मां का गुणगान करते रहे। इस अवसर पर कथावाचक हंसराज ने तारा रानी की कथा का भावपूर्ण वर्णन किया। कार्यक्रम से पूर्व विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें हजारों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में मंडल के पदाधिकारी एवं सदस्य प्रवीण मिड्ढा, नरेंद्र चावला, ललित सरदाना, अनु मदान, पंकज चोपड़ा, भरत असीजा, माधव मदान, जॉनी इंसा, सुनील अनेजा, शुभम मदान, राजेंद्र मुंजाल, संजय परुथी, कालू मिड्ढा, नवीन काठपाल, विकास सेतिया, किशोरी चावला, अमित अनेजा, सुरेंद्र चावला एवं मनोहर लाल रहेजा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

धार्मिक संस्कार शिविर महामहोत्सव में भक्तिरस से सराबोर हुआ पार्श्वनाथ भवन

जयपुर. शाबाश इंडिया

नाटानियों का रास्ता स्थित पार्श्वनाथ भवन का प्रांगण रविवार को धार्मिक आस्था, संस्कार और भक्ति से सराबोर हो उठा। परम पूज्य संयम शिरोमणि एवं वात्सल्य मूर्ति आर्यिका श्री 105 नंदीश्वरमति माताजी के पावन सानिध्य में आयोजित धार्मिक संस्कार शिविर महामहोत्सव में बड़ी संख्या में बालक-बालिकाओं, श्रावक-श्राविकाओं एवं धर्मप्रेमियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम की शुरूआत मंगलाचरण एवं जैन धर्म के मंगल पाठ के साथ हुई। शिविर में शामिल नन्हे बालक-बालिकाओं ने भक्तिभाव से जिनेंद्र भगवान का गुणगान करते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। शिविर के दौरान बच्चों ने पूज्य गुरु मां के सानिध्य में भगवान पार्श्वनाथ एवं नवदेवताओं की आराधना कर अष्टद्रव्य से अर्घ्य समर्पित किए। मंत्रोच्चार के बीच भगवान जिनेंद्र का अभिषेक एवं विश्व शांति की मंगल भावना के साथ शांतिधारा संपन्न की गई। अपने आशीर्वचन में आर्यिका श्री 105 नंदीश्वरमति माताजी ने कहा कि ''जननी ही बालक की प्रथम पाठशाला होती है।'' उन्होंने बताया कि संस्कारों की नींव माता द्वारा रखी जाती है, जिससे बालक आगे चलकर परिवार, समाज एवं धर्म का नाम रोशन करता है।

शिविर को सफल एवं ऊजार्वान बनाने में सुश्री आयुषी, सुश्री खुशी एवं राज भैया का विशेष सहयोग रहा, जबकि दीपा दीदी ने कुशल निर्देशन प्रदान किया। कार्यक्रम के समापन पर सभी श्रद्धालुओं एवं बच्चों के लिए अल्पाहार एवं वात्सल्य भोज की व्यवस्था की गई। इस अवसर पर नवीन बिल्टीवाला परिवार की ओर से सभी बच्चों को सुंदर उपहार वितरित किए गए, जिससे बच्चों का उत्साह और बढ़ गया। कार्यक्रम में देव प्रकाश खंडाका, ओम प्रकाश काला एवं श्री दिगंबर जैन मुनि संघ प्रबंध समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वहीं आयोजन को सफल बनाने में प्रेमचंद भौंसा, विपिन कुमार बज, मनोज कुमार बज, मनोज बगड़ा, रमा जैन बिलाला, डॉ. माधुरी जैन, डॉ. विमल कुमार जैन, रजत खिंदूका, थिरकन जैन, सुनीता गंगवाल, सोनिया जैन, ऋचा जैन, स्नेहलता सौगाणी, पारस सौगाणी, बीना जैन डिग्गीवाल एवं निर्मला जैन सहित अनेक धर्मप्रेमियों का सहयोग रहा। कार्यक्रम संयोजिकाओं में मोना पाटनी, सुनीला जैन, सोनम जैन, सुलोचना चांदवाड़, अंजू जैन मंगोड़ी वाले एवं ममता संघी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

महावीर साधना संस्थान महावीरनगर में नि:शुल्क दंत चिकित्सा शिविर सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर साधना संस्थान में सेठी हॉस्पिटल के सहयोग से 24 मई को नि:शुल्क दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर दंत रोग संबंधी परामर्श एवं जांच का लाभ उठाया। शिविर में डॉ. गौरव सेठी एवं डॉ. शिल्पा सेठी ने दांतों से संबंधित विभिन्न समस्याओं एवं उनके उपचार के बारे में विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने दांतों की नियमित देखभाल एवं स्वच्छता बनाए रखने के महत्व पर भी प्रकाश डाला। शिविर के दौरान मरीजों को नि:शुल्क डेंटल स्कैन एवं अन्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। साथ ही डेंटल इम्प्लांट एवं दांतों की सफाई पर 50 प्रतिशत की विशेष छूट भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में डॉ. रमेश चंद, शशी सेठी, सुरेंद्र मदुर्ला पांड्या, सुरेश शशी सोगानी, मधु काला, सुरेश काला, सुशीला बड़जात्या, सुनील बज, रतनलाल कोठारी, बाबूलाल जैन एवं महावीर गोधा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। संस्थान में भंवरलाल चूंकी देवी गंगवाल मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से 20 मई से प्रतिदिन प्रातः 7 बजे से 8 बजे तक नि:शुल्क योग शिविर भी संचालित किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त दिगंबर जैन महासमिति राजस्थान अंचल की ओर से 17 मई से 26 मई तक धार्मिक संस्कार शिविर का आयोजन भी महावीर साधना संस्थान में जारी है, जिसमें बच्चों एवं युवाओं को धार्मिक एवं नैतिक संस्कारों की शिक्षा दी जा रही है।

Sanjay Jain: 9414349477

एआईसीपीओ संगठन की नई टीम का शपथ ग्रहण समारोह भव्य रूप से सम्पन्न

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश नरेंद्र कुमार जैन उपस्थित रहे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक गुप्ता भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

जयपुर. शाबाश इंडिया

मालवीय नगर स्थित अपभ्रंश साहित्य एकेडमी के सन्मति भवन बॉयज हॉस्टल में एआईसीपीओ संगठन की नई कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम संगठन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष उत्तम कुमार जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश नरेंद्र कुमार जैन उपस्थित रहे। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष विवेक गुप्ता भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में सेवानिवृत्त न्यायाधीश अशोक झांझरी ने अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने संगठन की नई टीम को समाजहित में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शैलेंद्र गोधा उपस्थित रहे, जबकि राकेश गोदिका ने विशेष अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। शपथ ग्रहण के उपरांत उत्तम कुमार जैन ने संगठन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि नई टीम पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ समाजहित में कार्य करेगी। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने नवगठित टीम को सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े गणमान्यजन, पत्रकार एवं संगठन के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

भक्ति की अलौकिक आभा से आलोकित हुआ मांग्यावास, 64 दीपार्जन एवं वर्धमान स्तोत्र पाठ का भव्य आयोजन सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

''भक्ति अमर वरदान है, प्रभु भक्ति में ही कल्याण है'' – इन पंक्तियों को साकार करते हुए जयपुर के मांग्यावास स्थित श्री मुनिसुव्रतनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में शुक्रवार, 22 मई 2026 को भव्य एवं संगीतमय भक्ति संध्या का आयोजन किया गया। परम पूज्य संतों के मंगल आशीर्वाद से सम्पन्न इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर भक्ति रस का आनंद लिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप डायमंड के अध्यक्ष राजेन्द्र सेठी ने बताया कि कार्यक्रम की शुरूआत समाज श्रेष्ठी बाबूलाल भौंच एवं श्याम नगर निवासी भागचंद पाटनी द्वारा चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात चारवी जैन, सांची जैन एवं आराध्या जैन ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुति देकर मंगलाचरण किया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण 64 दीपों का दीपार्जन एवं वर्धमान स्तोत्र का सामूहिक पाठ रहा। पंडित प्रकाशचंद जैन की मधुर संगीत धुनों के बीच वर्धमान स्तोत्र के दिव्य मंत्रों से पूरा मंदिर परिसर भक्तिमय वातावरण में डूब गया। जैसे-जैसे 64 दीप प्रज्वलित होते गए, वैसे-वैसे पूरा प्रांगण अलौकिक प्रकाश से जगमगा उठा। श्रद्धालुओं ने सुर और ताल के साथ प्रभु भक्ति में लीन होकर अपने जीवन को मंगलमय बनाने की कामना की। ग्रुप के सचिव अतुल छाबड़ा ने बताया कि इस भव्य आयोजन को सफल बनाने में डायमंड ग्रुप, मंदिर समिति एवं महिला मंडल की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के निवर्तमान अध्यक्ष राजेश बड़जात्या, अध्यक्ष सुनील कुमार बज, सचिव नीरज जैन एवं कोषाध्यक्ष प्रमोद जैन के नेतृत्व में पूरी टीम ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रकाशचंद सौगानी, मंत्री

दिनेश गंगवाल एवं कोषाध्यक्ष मनोज चौधरी सहित महिला मंडल अध्यक्ष शर्मिला सेठी, मंत्री बबिता गोधा एवं कोषाध्यक्ष गरिमा बारलीवाल ने आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभाई। वहीं डायमंड ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष यशकमल अजमेरा, अध्यक्ष राजेन्द्र सेठी, सचिव अतुल छाबड़ा एवं कोषाध्यक्ष सुरेश गंगवाल सहित सभी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को भव्य स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम के अंत में यशकमल अजमेरा ने दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन, जयपुर रीजन, सहयोगी ग्रुपों, अतिथियों एवं श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया।

दो जैन आर्यिका माताजी की सड़क दुर्घटना में मृत्यु के विरोध में जैन समाज का मौन जुलूस

राघौगढ़. शाबाश इंडिया

मध्यप्रदेश के रीवा में दो दिगंबर जैन आर्यिका माताजी की सड़क दुर्घटना में हुई दर्दनाक मृत्यु के विरोध में देशव्यापी आंदोलन के तहत राघौगढ़ नगर में सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा विशाल मौन जुलूस निकाला गया।

समाज के अध्यक्ष अशोक कुमार भारिल्य के नेतृत्व में आयोजित इस मौन प्रदर्शन में बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। मौन जुलूस श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर हनुमान रोड, कटरा मोहल्ला, खलील चौराहा एवं सदर बाजार से होते हुए तहसील कार्यालय पहुंचा। जुलूस में पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्र धारण कर काली पट्टी लगाए हुए थे, जबकि महिलाएं केसरिया वस्त्रों में शामिल हुईं। तहसील कार्यालय में सकल जैन समाज की ओर से मुख्यमंत्री मोहन यादव के नाम ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा गया। ज्ञापन का वाचन जैन समाज के वरिष्ठ सदस्य एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय संरक्षक विजय कुमार जैन द्वारा किया गया। ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 20 मई को रीवा में प्रातः लगभग 6 बजे दिगंबर जैन आर्यिका आर्यिका श्रुत मतीजी एवं आर्यिका उपसम मतीजी नित्य क्रिया हेतु जा रही थीं, तभी तेज गति से आई कार ने उन्हें टक्कर मार

दी, जिससे दोनों आर्यिकाओं का निधन हो गया। ज्ञापन में दिगंबर एवं श्वेतांबर जैन साधु-साध्वियों, मुनियों एवं आर्यिकाओं के पद विहार के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। साथ ही घटना की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की मांग भी उठाई गई। मौन प्रदर्शन में दिगंबर जैन समाज राघौगढ़, साडा कॉलोनी जैन समाज, श्वेतांबर जैन समाज एवं मुमुक्षु जैन समाज के बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर जैन समाज के उपाध्यक्ष प्रमोद कुमार चौधरी, मंत्री जिनेश कुमार जैन, अमित जैन रानू, कोषाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र जैन, सह कोषाध्यक्ष निखिल राजा चौधरी, सहमंत्री दिलीप जैन सहित अनेक पदाधिकारी एवं समाजजन उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त संजय कुमार जैन, अरविंद कुमार जैन, रमेश चंद्र श्रीमाल, सुरेश चंद जैन एवं चेतन जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे।

गंगापुर सिटी में संत सुरक्षा अभियान के तहत ऐतिहासिक मौन जुलूस

आर्यिका द्वय के समाधिमरण पर उमड़ा जनसैलाब, SIT जांच एवं सुरक्षा लेन की मांग

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया

20 मई 2026 को रीवा के निकट हुई भीषण सड़क दुर्घटना में परम पूज्य आर्यिका श्री श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका श्री उपशममति माताजी के अकाल समाधिमरण से संपूर्ण जैन समाज शोक एवं आक्रोश में है। परम पूज्य आचार्य श्री सुधासागर जी महाराज एवं मुनि श्री प्रमाणसागर जी महाराज के राष्ट्रीय आह्वान पर रविवार को गंगापुर सिटी में ''राष्ट्रीय संत सुरक्षा अभियान'' के अंतर्गत विनयांजलि सभा एवं विशाल मौन जुलूस आयोजित किया गया।

विनयांजलि सभा में दी श्रद्धांजलि

प्रातः 8 बजे श्री 1008 आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में सकल जैन समाज एकत्रित हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत णमोकार मंत्र के सामूहिक पाठ से हुई। इसके बाद दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आर्यिका माताजी की आत्मशांति के लिए प्रार्थना की गई। इस अवसर पर नरेंद्र जैन नृपत्या ने कहा कि जिन तपस्विनी माताजी के चरणों से धरती पवित्र होती थी, उनका इस प्रकार सड़क दुर्घटना में चले जाना केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता की क्षति है।

अनुशासित मौन जुलूस बना आकर्षण

प्रातः 8:30 बजे मंदिर से उप जिला कलेक्टर कार्यालय तक मौन जुलूस निकाला गया। पुरुष वर्ग श्वेत वस्त्रों एवं महिलाओं ने केसरिया साड़ी धारण कर सहभागिता की। महिलाएं हाथों में धर्म ध्वज लेकर सबसे आगे चल रही थीं। समाजबंधु हाथों

में मांगों से संबंधित संदेश लिखे डिस्प्ले बोर्ड लेकर पूर्ण मौन एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ रहे थे। जुलूस जैन स्थानक, बालाजी चौक, खारी बाजार, देवी स्टोर चौराहा एवं सब्जी मंडी मार्ग से होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचा। शहरवासियों ने पहली बार ऐसा मौन जुलूस देखा, जिसमें बिना किसी नारेबाजी के केवल शांतिपूर्ण तरीके से अपनी पीड़ा व्यक्त की गई। पुलिस प्रशासन पूरे समय जुलूस के साथ मौजूद रहा।

प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार मुकेश शर्मा एवं कोतवाली थाना प्रभारी करण सिंह राठौड़ को विभिन्न जैन संगठनों की ओर से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन सौंपने वालों में प्रवीण जैन गंगवाल, देवेंद्र जैन पांड्या, सुभाष जैन पांड्या, रितेश पालीवाल, सुमित जैन, महेश जैन, डॉ. मनोज जैन एवं मोनिका जैन सहित अनेक समाज प्रतिनिधि शामिल रहे।

ज्ञापन में रखी गई प्रमुख मांगें

ज्ञापन में रीवा दुर्घटना की SIT जांच कर दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई। साथ ही राष्ट्रीय एवं राज्य राजमार्गों पर जैन साधु-संतों के पद विहार हेतु अलग ''संत सुरक्षा लेन'' बनाने, मंगल विहार के दौरान पुलिस पेट्रोलिंग सुनिश्चित करने, रात्रि विश्राम की व्यवस्था करने तथा ''संत सुरक्षा कोड'' लागू करने की मांग भी प्रमुख रूप से उठाई गई। यह ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री, मुख्यमंत्री राजस्थान एवं जिला कलेक्टर के नाम प्रेषित किया गया।

प्रशासन ने दिया आश्वासन

तहसीलदार मुकेश शर्मा एवं थाना प्रभारी करण सिंह राठौड़ ने समाज को आश्वस्त किया कि ज्ञापन तत्काल उच्च स्तर पर भेजा जाएगा तथा स्थानीय स्तर पर संत सुरक्षा एवं रात्रि विश्राम व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम के अंत में सभी समाजबंधुओं ने पुनः णमोकार मंत्र का सामूहिक पाठ कर दिवंगत आर्यिका माताजी को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। ज्ञापन प्रस्तुत होने तक शहर के सभी जैन प्रतिष्ठान स्वेच्छा से बंद रखे गए। ''जो जगत को शांति देते हैं, उन्हें सुरक्षा दो – यही सच्ची श्रद्धांजलि है'' के संदेश के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविरों के अवलोकन हेतु महासमिति प्रतिनिधिमंडल ने किया झिलाय दौरा

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन महासमिति राजस्थान अंचल एवं महिला अंचल द्वारा संचालित धार्मिक संस्कार शिक्षण शिविर 2026 के अवलोकन हेतु महासमिति के प्रतिनिधिमंडल ने झिलाय का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने शिविर में बच्चों को दिए जा रहे धार्मिक एवं सांस्कृतिक संस्कारों का निरीक्षण कर आयोजन की सराहना की। प्रतिनिधिमंडल में महासमिति के महामंत्री महावीर बाकलीवाल, महिला अंचल अध्यक्ष शकुंतला विंदायका, शिविर प्रभारी पंडित कैलाश चंद मलैया, पश्चिम संभाग अध्यक्ष निर्मल कुमार संघी, महावीर बिंदायका एवं अनीता जैन शामिल रहे। झिलाय में आयोजित संस्कार शिविर के निरीक्षण के दौरान महिला अध्यक्ष प्रिया जैन, महामंत्री हेमलता जैन, संयोजक मोना मित्तल एवं रिंकू जैन सहित संजू गर्ग, विमला अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, नीतू मित्तल, संतोष मित्तल, गायत्री मित्तल, सोनू गर्ग, मिथिलेश अग्रवाल, रिंकू मित्तल, मीना देवी, नीतू जैन एवं संजू मित्तल की सक्रिय सहभागिता रही। सभी ने आगंतुक अतिथियों का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर प्रहलाद किशोर मित्तल एवं मीना देवी को उनकी वैवाहिक वर्षगांठ पर शुभकामनाएं एवं बधाई दी गई। निरीक्षण के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने शिविरार्थियों से विभिन्न प्रश्न पूछे, जिनके उत्तर बच्चों ने आत्मविश्वास एवं

सटीकता के साथ दिए। बच्चों में धार्मिक ज्ञान एवं संस्कारों का स्तर उत्कृष्ट पाया गया। शिविर में दिए जा रहे संस्कारों से बच्चे एवं अभिभावक दोनों ही संतुष्ट एवं प्रसन्न दिखाई दिए। महिला अंचल अध्यक्ष शकुंतला विंदायका ने कहा कि वैज्ञानिक युग में बच्चों को संस्कार देना हम सभी का सबसे बड़ा कर्तव्य है। यदि ऐसा नहीं किया गया तो समाज पाश्चात्य सभ्यता में पूरी तरह डूब जाएगा। महामंत्री महावीर बाकलीवाल ने कहा कि भारतीय संस्कृति एवं संस्कार आज भी गांवों में जीवित हैं, जबकि शहरों में लोग अपनी परंपराओं से दूर होते जा रहे हैं। शिविर प्रभारी पंडित कैलाश चंद मलैया ने कहा कि ''संस्कारों बलवान भवेत'' अर्थात संस्कार ही मनुष्य का सबसे बड़ा बल हैं, जो उसके आंतरिक एवं बाह्य व्यक्तित्व को प्रदर्शित करते हैं। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि इन शिविरों में बच्चों एवं युवाओं में धर्म, संस्कृति एवं नैतिक मूल्यों के प्रति विशेष उत्साह एवं जागरूकता देखने को मिल रही है। बच्चों द्वारा प्रदर्शित अनुशासन, धार्मिक ज्ञान एवं संस्कारमयी वातावरण ने सभी आगंतुकों को अत्यंत प्रभावित किया। साथ ही आयोजन समितियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविर नई पीढ़ी में नैतिक मूल्यों एवं भारतीय संस्कृति के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

हास्य योग साधना शिविर एवं पुण्य परिंडा सेवा समर्पण अभियान का हुआ शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया। प्रतापनगर सांगानेर स्थित शकुंतला पार्क सेक्टर-8 में रविवार प्रातः अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद परिवार, प्रतापनगर सांगानेर सम्भाग द्वारा युवा परिषद के 50वें स्वर्ण जयंती वर्ष महोत्सव के अंतर्गत ''हास्य योग साधना शिविर एवं माँ ज्ञानमती पुण्य परिंडा सेवा समर्पण अभियान'' का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। कार्यक्रम का शुभारंभ समाजश्रेष्ठी सुमेर प्रकाश जैन खंडाका एवं परिवार द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। शुभारंभकर्ता के रूप में जय कुमार जैन संघई एवं सुभाष जैन संघई उपस्थित रहे। मुख्य युवा गौरव अतिथि के रूप में दुष्यंत जैन सिंघल एवं युवावीर सारथी के रूप में मनीष जैन ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। युवा परिषद प्रतापनगर सम्भाग के महामंत्री संजय गोधा ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन सेवा एवं संस्कार भावना के साथ सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत हास्य योग साधना, जुम्बा योग एवं विभिन्न उपयोगी योग क्रियाओं का आयोजन किया गया। योग गुरु कविता जैन एवं उनकी टीम ने योग से होने वाले शारीरिक एवं मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए उपस्थित जनसमूह को विभिन्न योग क्रियाएं करवाईं। हास्य योग के माध्यम से पूरे वातावरण को आनंदमय एवं ऊर्जावान बना दिया गया। उपस्थित लोगों ने योग के माध्यम से नई ऊर्जा एवं सकारात्मकता का अनुभव किया। योग शिविर के पश्चात ''माँ ज्ञानमती पुण्य परिंडा सेवा समर्पण अभियान'' का शुभारंभ किया गया। इस अभियान के अंतर्गत लोगों को अपने घरों, छतों, पेड़-पौधों एवं सार्वजनिक स्थानों पर पक्षियों के लिए परिंडे लगाने हेतु प्रेरित किया गया। उपस्थित सभी लोगों को सेवाभाव के साथ परिंडे वितरित किए गए तथा जल जीवन संरक्षण का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में चेतन जैन निमोड़िया, मनीष जैन टोरड़ी, सुमति अग्रवाल, पवन जैन अग्रवाल, राकेश पाटनी, राहुल पाटनी, अविनाश जैन अग्रवाल, अमित जैन, संतोष शर्मा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

पैदल विहार करने वाले संतों के लिए बने राष्ट्रीय एसओपी

आवा जैन समाज ने उठाई उच्चस्तरीय जांच की मांग

टोंक. शाबाश इंडिया। रीवा में तेज रफ्तार कार की टक्कर से विहाररत जैन आर्यिका माताजी एवं संघ की पूज्य आर्यिकाओं के असामयिक समाधिमरण को लेकर जैन समाज में गहरा दुःख एवं आक्रोश व्याप्त है। इस दुखद घटना के विरोध में सकल दिगंबर जैन समाज आवा, टोंक द्वारा स्थानीय तहसीलदार के माध्यम से भारत के प्रधानमंत्री, राजस्थान के राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा गया।

ज्ञापन में समाज के प्रतिनिधियों ने कहा कि घटना से संबंधित उपलब्ध तथ्यों एवं वीडियो क्लिपों को देखने के बाद पूरे जैन समाज में गहरी चिंता एवं आशंका का वातावरण बना हुआ है। समाज ने पूरे मामले की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि घटना से संबंधित सभी सीसीटीवी फुटेज, वीडियो एवं डिजिटल साक्ष्यों को तत्काल सुरक्षित किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध कठोरतम कानूनी कार्रवाई की जाए। यदि किसी प्रकार के षड्यंत्र की पुष्टि होती है, तो आरोपियों पर सख्त धाराओं में मामला दर्ज किया जाए। जैन समाज ने शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निहत्थे एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो किसी भी प्रकार के वाहन अथवा सुरक्षा साधनों का उपयोग नहीं करते। ऐसे में उनके साथ लगातार हो रही दुर्घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। समाज ने अपनी प्रमुख मांगों में विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय, संवेदनशील क्षेत्रों में पुलिस सहयोग, ट्रैफिक नियंत्रण, चेतावनी संकेतक एवं हाईवे पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने की मांग की है। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार से पैदल विहार करने वाले संतों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मानक संचालन प्रक्रिया एवं ''राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति'' लागू करने की मांग भी की गई है।

राष्ट्रीय संत सुरक्षा कानून बनाने की मांग को लेकर जैन समाज ने निकाला मौन जुलूस

निम्बाहेड़ा. शाबाश इंडिया

हाल ही में रीवा में सड़क दुर्घटना में परम पूज्य आर्यिका 105 श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका 105 उपशममति माताजी के दुखद निधन के बाद जैन समाज में गहरा शोक एवं चिंता व्याप्त है। इसी संदर्भ में सोमवार को निम्बाहेड़ा में सकल जैन संघ द्वारा मौन जुलूस निकालकर प्रधानमंत्री के नाम उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। प्रवक्ता मनोज सोनी के अनुसार समाज अध्यक्ष अशोक गदिया एवं महामंत्री वी.के. जैन के नेतृत्व में सकल जैन श्री संघ के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में समाजजन इस मौन जुलूस में शामिल हुए। समाज ने संतों की सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की मांग उठाते हुए इस घटना को अत्यंत गंभीर बताया। जैन समाज का कहना है कि संत भारतीय संस्कृति, संयम, तप एवं त्याग के जीवंत प्रतीक होते हैं। उनका जीवन पूर्णतः साधना, अहिंसा, शाकाहार एवं जनकल्याण को समर्पित रहता है। वे कठिन परिस्थितियों में भी पैदल विहार करते

हैं। ऐसे संत-महात्माओं के साथ लगातार बढ़ रही सड़क दुर्घटनाएं समाज के लिए चिंता का विषय बनती जा रही हैं। मौन जुलूस श्री राजेंद्र सूरी ज्ञान मंदिर से प्रारंभ होकर उपखंड कार्यालय पहुंचा, जहां उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में संतों के विहार के दौरान सुरक्षा एस्कॉर्ट, सेवा दल एवं आधुनिक सुरक्षा संसाधन उपलब्ध कराने की मांग की गई। ज्ञापन में यह भी सुझाव दिया गया कि जब भी कोई संत-महात्मा 20 से 30 किलोमीटर की यात्रा करें, तब उनके साथ सुरक्षा एस्कॉर्ट उपलब्ध कराया जाए। यदि विहार के दौरान किसी वाहन का उपयोग किया जाए तो उसमें GPS सिस्टम लगाया जाए, ताकि ट्रस्ट एवं समाज के लोगों को संतों की लोकेशन की जानकारी मिलती रहे। इसके अतिरिक्त इमरजेंसी बटन जैसी सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की गई, जिससे किसी भी खतरे की स्थिति में तत्काल पुलिस प्रशासन को सूचना दी जा सके। विहार यात्रा से पूर्व स्थानीय पुलिस प्रशासन को सूचना देकर सुरक्षा सहायता सुनिश्चित करने की बात भी ज्ञापन में शामिल की गई। इस अवसर पर आयोजित धर्मसभा में संतों की सुरक्षा, धर्म एवं संस्कृति की परंपराओं के संरक्षण तथा राष्ट्रीय स्तर पर ॠसंत सुरक्षा कानूनॠ बनाए जाने की आवश्यकता पर भी विस्तृत मंथन किया गया। समाजजनों ने कहा कि संतों की सुरक्षा केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि देश की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा का विषय है।

फतेहपुरा चौराहे पर शुरू हुआ जल सेवा प्रकल्प, राहगीरों को मिलेगी राहत

समाज के विभिन्न वर्गों तक राहत पहुंचाने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के जनसेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर महेश पोरवाल, कमलेश पोरवाल, प्रशांत भंडारी, दिनेश चावत, सुनील पारीवाला, अशोक जैन एवं नरेंद्र सिसोदिया सहित ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर. शाबाश इंडिया। भीषण गर्मी के बीच राहगीरों एवं आमजन को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से जैन सोशल ग्रुप कल्पतरु द्वारा रविवार सुबह फतेहपुरा चौराहे पर जल सेवा प्रकल्प का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम यातायात नियंत्रक अधिकारी महेंद्र कुमार के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। ग्रुप के सचिव लक्ष्मीलाल सिंघवी ने बताया कि बढ़ती गर्मी को देखते हुए यह सेवा प्रकल्प शुरू किया गया है, ताकि चौराहे से गुजरने वाले राहगीरों, वाहन चालकों एवं श्रमिकों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने बताया कि यह सेवा प्रकल्प संघ के सहयोग से आगामी दो माह तक निरंतर संचालित किया जाएगा। इसके अंतर्गत प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोगों को ठंडा एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। लक्ष्मीलाल सिंघवी ने कहा कि सेवा एवं मानवता जैन समाज की परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। समाज के विभिन्न वर्गों तक राहत पहुंचाने के उद्देश्य से समय-समय पर इस प्रकार के जनसेवा कार्य आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर महेश पोरवाल, कमलेश पोरवाल, प्रशांत भंडारी, दिनेश चावत, सुनील पारीवाला, अशोक जैन एवं नरेंद्र सिसोदिया सहित ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए भविष्य में भी इसी प्रकार के जनसेवा कार्य निरंतर जारी रखने का संकल्प लिया। रिपोर्ट : राकेश शर्मा

युवा परिषद का स्वर्ण जयंती महोत्सव 6 सितम्बर 2026 को जयपुर में होगा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। शाश्वत तीर्थ अयोध्या में परम पूज्य गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी एवं आर्यिका प्रज्ञा श्रमणी श्री चन्दनामती माताजी के पावन आशीर्वाद से, स्वस्ति श्री रवीन्द्र कीर्ति स्वामी जी के निर्देशन एवं मंगल सानिध्य में अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के स्वर्ण जयंती महोत्सव को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में निर्णय लिया गया कि युवा परिषद् का स्वर्ण जयंती महोत्सव 6 सितम्बर 2026 को राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर कार्यक्रम की शुभ घोषणा परम पूज्य गणिनी प्रमुख आर्यिका श्री ज्ञानमती माताजी के मुखारविंद से की गई। उन्होंने कार्यक्रम की निर्विघ्न सफलता हेतु मंगल आशीर्वाद प्रदान करते हुए युवाओं को सदैव समाज एवं धर्म के कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. जीवन प्रकाश जैन ने युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन एवं दिलीप जैन का तिलक एवं माल्यार्पण कर शुभकामनाएं दीं। वहीं पूज्य आर्यिका प्रज्ञा श्रमणी श्री चन्दनामती माताजी ने प्रतीक चिन्ह भेंट कर आशीर्वाद प्रदान किया। बैठक का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन ने किया। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर युवा परिषद् के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक एवं प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन, संयुक्त महामंत्री एवं राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जैन, उत्तरप्रदेश प्रदेश अध्यक्ष आदीश जैन, महामंत्री रितेश जैन, राष्ट्रीय संगठन मंत्री निधेश जैन, परमेन्द्र जैन एवं अकलंक जैन सहित विभिन्न स्थानों से आए पदाधिकारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ''युवा परिषद् बुलेटिन'' मई 2026 अंक का विमोचन भी किया गया। अंत में प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन ने सभी उपस्थित अतिथियों एवं पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

जेएसजी सिद्धा परिवार का पूल पार्टी एवं वाटर पार्क कार्यक्रम उत्साहपूर्वक सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार द्वारा वर्ष का प्रथम मनोरंजक कार्यक्रम ''पूल पार्टी एवं वाटर पार्क फुल मस्ती धमाल'' का आयोजन सनराइज ड्रीम वर्ल्ड रिजॉर्ट्स, दिल्ली एक्सप्रेस हाईवे स्थित ग्राम बिलोची, दिल्ली रोड जयपुर में उत्साहपूर्वक किया गया। संस्थापक अध्यक्ष धीरज कुमार पाटनी एवं सौरभ गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में ग्रुप के सभी दंपति सदस्यों एवं परिवारजनों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। निवर्तमान अध्यक्ष दिनेश काला, पूर्व अध्यक्ष निर्मल पांड्या, उपाध्यक्ष अंजन जैन एवं सहसचिव वीरेंद्र काला ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान सभी सदस्यों ने पूल पार्टी, वाटर पार्क, रेन डांस एवं विभिन्न वॉटर स्लाइड्स का आनंद लेते हुए भीषण गर्मी से राहत महसूस की। परिवारों एवं बच्चों ने पानी में मस्ती करते हुए यादगार पल बिताए। शाम करीब 5 बजे सभी सदस्य वाटर पार्क से बाहर आकर सनराइज रिसॉर्ट में आयोजित विभिन्न इंडोर गेम्स जैसे कैरम, लूडो, बास्केटबॉल एवं बच्चों की मनोरंजक गतिविधियों में शामिल हुए। इसके बाद सभी ने ऑक्सीजन पार्क वैली में घूमते हुए हरियाली एवं प्राकृतिक वातावरण का आनंद लिया तथा यादगार फोटोग्राफी की। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने मेहंदी का आनंद लिया, वहीं बच्चों एवं युवाओं ने गुब्बारे शूटिंग, हॉर्स राइडिंग, कैमल राइडिंग, हॉरर शो, झूले, जंपिंग जेट, कालबेलिया डांस, मैजिक शो एवं कठपुतली नृत्य सहित विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में भाग लिया। डीजे की धुन पर सभी सदस्यों ने मनपसंद गीतों पर जमकर नृत्य किया। कार्यक्रम के समापन से पूर्व जैन सोशल ग्रुप सिद्धा परिवार की ओर से सभी सदस्यों को आकर्षक गिफ्ट हैंपर प्रदान किए गए। साथ ही इस वर्ष ग्रुप से जुड़े नए सदस्यों का माला एवं तिलक लगाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। कार्यक्रम संयोजकों मुकेश दोषी, मनीषा दोषी, अंकित जैन, रोहित सोगानी, नीरज पाटनी, राहुल सोगानी, अंकित जैन एवं नवीन जैन ने सभी दंपति सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

'हर घर परिंडा–हर आंगन जीवन' अभियान के तहत परिंडे वितरित

जयपुर. शाबाश इंडिया

भीषण गर्मी में पक्षियों के लिए पानी एवं दाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के उद्देश्य से भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) परिसर मंडल कार्यालय में 'परिंडा अभियान' का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पक्षियों के संरक्षण एवं जीव सेवा के प्रति समाज में जागरूकता बढ़ाना रहा। यह आयोजन सीनियर डिवीजनल मैनेजर राजेश व्यास एवं एलआईसी के अधिकारी-कर्मचारियों के सहयोग से नवीन भंडारी, ट्रस्टी श्रीराम आशापूर्ण चैरिटेबल ट्रस्ट के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। अभियान के दौरान जीवन शांति ग्रुप के माध्यम से लगभग 300 लोगों ने सहभागिता निभाई। उपस्थित लोगों को पक्षियों के संरक्षण एवं जीव सेवा का संदेश देते हुए परिंडे वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि अभियान का मुख्य उद्देश्य ''हर घर में परिंडा पहुंचे, ताकि भीषण गर्मी में पक्षियों को पानी मिल सके और उनका जीवन सुरक्षित रह सके'' है। वक्ताओं ने कहा कि जब घर-घर परिंडे लगाए जाएंगे, तभी पर्यावरण संरक्षण एवं जीव सेवा का संदेश समाज में और अधिक मजबूत होगा। यह अभियान पिछले कई वर्षों से निरंतर संचालित किया जा रहा है। नवीन भंडारी द्वारा किए जा रहे जीव दया एवं सेवा कार्यों की उपस्थित लोगों ने सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने जीवों के प्रति संवेदनशीलता बनाए रखने तथा अधिक से अधिक स्थानों पर परिंडे लगाने का संकल्प लिया। ''जीव सेवा ही सच्ची सेवा है।''

संतों की सुरक्षा हेतु जैन समाज का मौन जुलूस, आक्रोश रैली में झलका दर्द

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

श्री जैन वीर मंडल के तत्वावधान में सोमवार को जैन समाज द्वारा संत सुरक्षा की मांग को लेकर विशाल मौन रैली निकाली गई। रैली में बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं ने अनुशासित रूप से भाग लेते हुए बांहों पर काली पट्टी बांधकर अपना रोष प्रकट किया। जैन समाज में रीवा में 20 मई को पद विहार कर रही दो जैन साध्वियों की सड़क दुर्घटना में हुई मृत्यु को लेकर गहरा आक्रोश व्याप्त है। समाजजनों ने इसे गंभीर एवं दुखद घटना बताते हुए दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग उठाई। मंडल अध्यक्ष सोभागमल गंगवाल ने बताया कि अपराधियों को कठोर दंड दिलाने एवं संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से देशभर में मौन रैलियों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में कुचामन सिटी में पुरानी धान मंडी से तहसील कार्यालय तक मौन रैली निकालकर भारत सरकार एवं राजस्थान सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा गया। संस्था के सचिव सुभाष पहाड़िया ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से घटना की निष्पक्ष उच्च स्तरीय जांच, एसआईटी अथवा न्यायिक जांच कराने तथा दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की गई है। ज्ञापन में मांग की गई कि संत सुरक्षा प्रोटोकॉल तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए तथा विहार मार्गों पर प्रशासनिक समन्वय, पुलिस सहयोग एवं ट्रैफिक नियंत्रण सुनिश्चित किया जाए। साथ ही पैदल विहार करने वाले संतों के लिए राष्ट्रीय स्तर पर गाइडलाइन एवं एसओपी लागू करने तथा ''राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति'' बनाए जाने की मांग भी रखी गई। समाज ने कहा कि जैन संत पूर्णतः अहिंसक जीवन जीते हैं और अपनी आत्मरक्षा नहीं करते। इसलिए संतों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में रखा जाना चाहिए। प्रशासन एवं समाज के बीच समन्वय तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया गया। उप सचिव अशोक झांझरी ने बताया कि रैली एवं ज्ञापन कार्यक्रम में विनोद झांझरी, लालचंद पहाड़िया, मनोज पांडया, संतोष कुमार, अजित, देवेंद्र पहाड़िया, कैलाश पांडया, राजकुमार, निलेश सेठी, पारस काला, रानी पाटनी, अनिल काला, सुरेंद्र सिंह, संदीप पांडया, सुरेश, पवन, संजय, पंकज, प्रदीप, विकास, राजेश, विजय, सचिन, प्रमोद, शोभा रांवका, सीता, डिम्पल, सीमा, मंजू, चंद्रकांता एवं रेखा जैन सहित बड़ी संख्या में समाजजन एवं महिलाएं उपस्थित रहीं।

आर्यिका माताजी दुर्घटना प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच एवं संत सुरक्षा नीति की मांग को लेकर समग्र जैन समाज ने सौंपा ज्ञापन

इंदौर. शाबाश इंडिया

हाल ही में रीवा में हुई सड़क दुर्घटना में आर्यिका श्रुतमति माताजी एवं आर्यिका उपशममति माताजी के दुखद समाधिमरण को लेकर समग्र जैन समाज में गहरा आक्रोश एवं शोक व्याप्त है। घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर समग्र जैन समाज ने जिलाधीश के माध्यम से मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा। दिगंबर जैन समाज सामाजिक संसद के अध्यक्ष विनय बाकलीवाल एवं प्रचार प्रमुख सतीश जैन ने ज्ञापन में कहा कि संघ की पूज्य आर्यिकाओं का असामयिक समाधिमरण केवल एक सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं माना जा सकता। उपलब्ध तथ्यों एवं वीडियो क्लिपों के आधार पर समाज में गहरी चिंता एवं आशंका का वातावरण बना हुआ है। समाज के महामंत्री देवेंद्र सोगानी ने दोषियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की मांग करते हुए कहा कि मामले की निष्पक्ष जांच अत्यंत आवश्यक है। ज्ञापन में विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा के लिए संत सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू करने की मांग भी उठाई गई। साथ ही भारत सरकार से राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाने, संतों के विरुद्ध होने वाले अपराधों को विशेष संवेदनशील श्रेणी में शामिल करने तथा स्थानीय स्तर पर संत सुरक्षा समन्वय सेल गठित करने की मांग की गई। समाज ने कहा कि संत सुरक्षा केवल किसी एक समाज का विषय नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत की सुरक्षा का प्रश्न है। भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने तथा तपस्वी संतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए जाने चाहिए। ज्ञापन का वाचन विनय बाकलीवाल ने किया तथा ज्ञापन अजय भूषण शुक्ला को सौंपा गया। इस अवसर पर अशोक बड़जात्या, सौरभ पाटोदी, पिंकेश टोंग्या, डी.के. जैन, सुरेंद्र बाकलीवाल, ऋषभ पाटनी, मनोज बाकलीवाल, युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष महावीर जैन, महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष अनामिका बाकलीवाल, पार्षद राजीव जैन, टीनू जैन, अशोक भैया, सुनील भैया, कैलाश वेद, प्रदीप बड़जात्या, स्वप्निल कोठारी, भरत मोदी एवं वीरेंद्र बड़जात्या सहित हजारों समाजजन उपस्थित रहे। रैली एवं कार्यक्रम का सफल संचालन संगठन महामंत्री जैनेश झांझरी ने किया।

शपथ ग्रहण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री अग्रसेन शिक्षण समिति द्वारा अग्रवाल कॉलेज में शपथ ग्रहण एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। समारोह में समाज के गणमान्यजन, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ओ.पी. अग्रवाल, संतोष कुमार गोयल, सत्यनारायण अग्रवाल, प्रहलाद स्वरूप अग्रवाल एवं सुरेंद्र मित्तल उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक महेंद्र बैराठी ने बताया कि समिति के अध्यक्ष ओ.पी. गुप्ता एवं महामंत्री स्वतंत्र मित्तल के सानिध्य में नवगठित कार्यकारिणी को गरिमामयी वातावरण में अपने-अपने पदों की शपथ दिलाई गई। समारोह में समिति द्वारा इस वर्ष चयनित 2 भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारियों, 3 राजस्थान प्रशासनिक सेवा अधिकारियों, एक वरिष्ठ चिकित्सक तथा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा के 7 मेधावी छात्र-छात्राओं का प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज की विभिन्न उपनगरीय समितियों के पदाधिकारियों का भी सम्मान किया गया। उपस्थित जनों ने इस प्रेरणादायी आयोजन की मुक्तकंठ से सराहना की। महामंत्री स्वतंत्र मित्तल ने समिति परिवार के सभी सदस्यों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए अतिथियों एवं उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन महेंद्र बैराठी एवं कमल नानूवाला ने किया।

卐 ।। श्री महावीराय नमः ।। 卐
संस्थापक : स्व. श्री ज्ञान प्रकाश बख्शी
श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर
एस-7, अमर पथ, जनता कॉलोनी, जयपुर, फोन 98290-14617 E-mail : mahaveerji.padyatra@gmail.com
परस्परोपग्रहो जीवानाम्
AC बसों द्वारा
के तत्वावधान में
धार्मिक यात्रा
रवानगी स्थल: भट्टारक जी की नसियाँ, नारायण सिंह सर्किल से सायं 7 बजे
बुकिंग अन्तिम तिथि 10 जून 2026
बुधवार 17 जून से रविवार 28 जून 2026
कोसमा
प्रभासगिरी
कौशांबी
मंदारगिरी
सम्मेद शिखर जी
चम्पापुर
गुणावा नवादा
पावापुर जल मन्दिर
कुण्डलपुर
राजगिरी
बोध गया
कोल्हुआ पहाड़
अयोध्या
अहिच्छत्र पार्श्वनाथ
धार्मिक कार्यक्रमों का भी आयोजन
उपरोक्त के अतिरिक्त मार्ग में आने वाले मन्दिरों, दिगम्बर जैन सन्तों के दर्शन एवं दर्शनीय स्थलों का भी लाभ प्राप्त होगा।
कृपया भुगतान करने के बाद भुगतान की रसीद/स्क्रीन शॉट इस मो. नं. 96944-14617 पर यात्री के नाम के साथ भेजें।
Shri Digambar Jain Padyatra Sangh J
यात्रा सहयोग राशि ₹22,000/- प्रति व्यक्ति
यात्रा सहयोग राशि में बस किराया, आवास, अल्पाहार, भोजन इत्यादि शामिल हैं।
बस में सीट पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर दी जायेगी।
संरक्षक
सुभाष चन्द जैन
98290-14617
-: संयोजकगण :-
सूर्यप्रकाश छाबड़ा 94140-72214 न्यलाईट कॉलोनी
अमरचन्द दीवान 99288-52440 खोराबीसल
सुनील चौधरी 94142-95970 चौकड़ी मोदीखाना
मैना बाकलीवाल 98291-94069 चांदपोल बाजार
मनीष लुहाड़िया 94140-78073 मालवीया नगर
राजेन्द्र जैन मोजमाबाद 77929-36801 गायत्री नगर
जिनेन्द्र जैन 94147-95464 प्रताप नगर
मुख्य संयोजक
सुरेश ठोलिया
98292-45642
एवं समस्त कार्यकारिणी सदस्यगण, श्री दिगम्बर जैन पदयात्रा संघ, जयपुर
नोट: यात्रा कार्यक्रम में किसी भी प्रकार के परिवर्तन का अधिकार संरक्षक एवं संयोजकों को होगा।

भीषण गर्मी में पक्षियों को राहत पहुंचाने का प्रयास

संत दुलाराम कुलरिया की स्मृति में "परिंडा लगाओ अभियान" का शुभारंभ

जयपुर. शाबाश इंडिया

बजाज नगर स्थित महावीर उद्यान में सोमवार को आह्वान जनकल्याण एवं सेवा समिति की ओर से गौसेवा एवं मानव सेवा के लिए समर्पित प्रेरणास्रोत संत दुलाराम कुलरिया की स्मृति में ''परिंडा लगाओ अभियान'' का शुभारंभ किया गया। अभियान का उद्देश्य भीषण गर्मी में पक्षियों को दाना-पानी उपलब्ध कराना एवं आमजन में जीव दया का संदेश प्रसारित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान संस्था संरक्षक एवं ऑल इंडिया ब्राह्मण महासभा के राष्ट्रीय सचिव रमेश ओझा तथा अंतरराष्ट्रीय फिटनेस मास्टर एवं किसान नेता बृजेन्द्र चौधरी को समाज सेवा, गौसेवा एवं जनहित के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। संस्था सचिव नफीस ने कहा कि वर्तमान समय में मानव सेवा के साथ-साथ पशु-पक्षियों की सेवा करना भी समाज की नैतिक जिम्मेदारी है। संस्था के संस्थापक एवं वरिष्ठ साहित्यकार फारूक आफरीदी ने अभियान को समाज में संवेदनशीलता एवं सेवा भावना जागृत करने वाला महत्वपूर्ण प्रयास बताया। वहीं ईआईआईएम डिजिटल मार्केटिंग इंस्टिट्यूट के सीएमडी फि रोज खान ने पर्यावरण संरक्षण एवं जीवों के प्रति

करुणा को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताया। कार्यक्रम में कोमल जैन, जितेंद्र पाटोदी, फि रोज, शिवाय शर्मा, मकसूद, सृष्टि मिश्रा, जाहिद, अनीसा असरानी, फैजान, खुशी गुप्ता, इमरान बंदूकिया, हेजल शर्मा, श्रुति, हर्षित, नीरज, राज, मोहित, हेमंत शर्मा, बजरंग एवं राहुल सैनी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। उपस्थित लोगों ने विभिन्न स्थानों पर परिंडे लगाने एवं नियमित रूप से उनमें दाना-पानी भरने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, जीव दया एवं सेवा भावना का प्रेरणादायी संदेश दिया गया।

पट्टाचार्य विशुद्ध सागर जी महाराज का ऊमरी प्रवेश, भगवान महावीर स्वामी तीर्थस्थली का भव्य शिलान्यास

भिण्ड. शाबाश इंडिया

आज प्रातः परम पूज्य पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज का 25 मुनिराजों के ससंघ ऊमरी में मंगल प्रवेश हुआ। इस अवसर पर ऊमरी एवं रूर क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं सहित यादव समाज के समाजबंधुओं ने भव्य अगवानी कर गुरुदेव का स्वागत किया। कार्यक्रम में नरेन्द्र सिंह कुशवाह, रविसेन जैन, डॉ. राधेश्याम, संदीप मिश्रा, पिंकी भदौरिया, अशोक जैन, प्रमोद जैन, विनोद जैन, पार्षद यश जैन, राहुल जैन, मनोज जैन एवं नीरजा जैन-विमल जैन सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस अवसर पर परम पूज्य पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज के सानिध्य में नवनिर्मित होने वाले श्री दिगम्बर जैन तीर्थंकर महावीर स्वामी विहार स्थली का भव्य शिलान्यास सम्पन्न हुआ। निर्माणाधीन तीर्थधाम में भगवान महावीर स्वामी की 31 फीट ऊंची खड्गासन प्रतिमा एवं 24 फीट ऊंची दो अन्य प्रतिमाएं विराजमान होंगी। शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्य मंदिर के शिलान्यासकर्ता महेन्द्र जैन-ऊषा जैन परिवार, गुड़गांव रहे। मुख्य वेदी का शिलान्यास कल्याणचंद्र जैन, गणेशीलाल जैन एवं भैयालाल जैन परिवार, ऊमरी द्वारा किया गया। दूसरी वेदी का शिलान्यास गैंदालाल जैन एवं वीरसेन जैन परिवार द्वारा तथा तीसरी वेदी का शिलान्यास अशोक जैन एवं विमल जैन परिवार, ऊमरी द्वारा सम्पन्न कराया गया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं भक्ति भाव देखने को मिला। तीर्थस्थली निर्माण को क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक एवं गौरवपूर्ण पहल बताया गया।

श्रवण संस्कृति संस्था शिक्षण शिविर में धार्मिक आयोजन सम्पन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री 1008 मुनि सुब्रत दिगंबर जैन मंदिर में श्रवण संस्कृति संस्था शिक्षण शिविर के अंतर्गत रविवार, 24 मई को धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन एवं प्रभावना वितरण का सौभाग्य सुधीर बाकलीवाल, उषा बाकलीवाल, अमन बाकलीवाल, आंचल बाकलीवाल एवं सौभाग्य देवी अजमेरा, सुशील अजमेरा, मंजू अजमेरा परिवार द्वारा प्राप्त हुआ। महिला मंडल की ओर से सभी अतिथियों एवं सहयोगकर्ताओं का साधुवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम में महिला मंडल अध्यक्ष मीना जैन, मंत्री राखी जैन, बीना गोधा, चंचला बोहरा, ममता गोधा, शर्मिला पापड़ीवाल, लाभांशी जैन, रश्मि जैन, आशा जैन, मैना मित्तल, निशा जैन एवं प्रीति जैन सहित महिला मंडल एवं मंदिर परिवार के सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की संयोजिका मंजू अजमेरा एवं पद्मा गोधा को कार्यक्रम के सुचारू संचालन हेतु विशेष साधुवाद दिया गया। आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं संस्कारमयी वातावरण में सम्पन्न हुआ।

20 हजार बच्चों के उत्साह से गूंजा वानखेड़े

रिलायंस फाउंडेशन का ESA मैच बना खुशियों का उत्सव

पहली बार 100 दृष्टिबाधित बच्चों ने लाइव देखा मुंबई इंडियंस का मुकाबला

550 बसें, 92 हजार फूड बॉक्स और 2400 से अधिक वॉलंटियर्स रहे तैनात, पिछले 16 वर्षों में रिलायंस फाउंडेशन 2.9 करोड़ से अधिक बच्चों तक पहुंचा

मुंबई. शाबाश इंडिया। वानखेड़े स्टेडियम में रविवार को सिर्फ क्रिकेट का रोमांच ही नहीं, बल्कि 20 हजार से अधिक बच्चों की खुशियों, उत्साह और तालियों की गूंज ने पूरे माहौल को खास बना दिया। Mumbai Indians के वार्षिक "एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स फॉर ऑल (ESA)" मैच के तहत महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों से आए बच्चों ने अपने पसंदीदा खिलाड़ियों का लाइव मुकाबला देखा। इस आयोजन का संचालन Reliance Foundation और मुंबई इंडियंस की साझेदारी में किया गया। इस वर्ष पहली बार 100 दृष्टिबाधित बच्चे अपने 'हियरिंग बडीज़' के साथ मैच देखने पहुंचे। इसके अलावा 200 से अधिक विशेष रूप से सक्षम बच्चों ने भी इस यादगार अनुभव का हिस्सा बनकर मैच का आनंद लिया। बच्चे मुंबई के साथ-साथ सतारा, नासिक, इगतपुरी और अन्य दूरदराज क्षेत्रों से पहुंचे थे। रिलायंस फाउंडेशन की संस्थापक एवं चेयरपर्सन नीता एम. अंबानी ने कहा कि बच्चों की मुस्कान और उत्साह इस आयोजन को विशेष बनाते हैं। उन्होंने बताया कि ESA पहल की शुरुआत 16 वर्ष पहले हुई थी और इसमें समावेशन को हमेशा सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। दृष्टिबाधित बच्चों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि ये बच्चे यहां से कई खूबसूरत यादें लेकर जाएंगे। इतने बड़े आयोजन को सफल बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई थीं। बच्चों के आवागमन के लिए 550 से अधिक बेस्ट बसों की व्यवस्था की गई। वहीं करीब 2400 वॉलंटियर्स, 100 से अधिक मेडिकल स्टाफ, 92 हजार फूड बॉक्स और बड़ी ग्राउंड टीम पूरे दिन व्यवस्थाओं में जुटी रही। सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के लिए मुंबई पुलिस ने 1000 से अधिक पुलिस एवं ट्रैफिक कर्मियों को तैनात किया था। ESA पहल की शुरुआत इस उद्देश्य के साथ की गई थी कि खेल केवल मैदान तक सीमित न रहकर बच्चों के लिए सीखने, प्रेरणा और नए अवसरों का माध्यम बने। इसके जरिए विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमि से आने वाले बच्चों को खेल के बड़े मंच से जोड़ने और उन्हें प्रेरित करने का प्रयास किया जाता है। पिछले 16 वर्षों में रिलायंस फाउंडेशन की खेल एवं शिक्षा संबंधी पहलों ने देशभर में 2.9 करोड़ से अधिक बच्चों और युवाओं तक अपनी पहुंच बनाई है।

बच्चों के आवागमन के लिए 550 से अधिक बेस्ट बसों की व्यवस्था की गई। वहीं करीब 2400 वॉलंटियर्स, 100 से अधिक मेडिकल स्टाफ, 92 हजार फूड बॉक्स और बड़ी ग्राउंड टीम पूरे दिन व्यवस्थाओं में जुटी रही। सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के लिए मुंबई पुलिस ने 1000 से अधिक पुलिस एवं ट्रैफिक कर्मियों को तैनात किया था। ESA पहल की शुरुआत इस उद्देश्य के साथ की गई थी कि खेल केवल मैदान तक सीमित न रहकर बच्चों के लिए सीखने, प्रेरणा और नए अवसरों का माध्यम बने।

श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसिया में अध्यक्ष पद के चुनाव सम्पन्न

ब्यावर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन पंचायती नसिया में अध्यक्ष पद के चुनाव रविवार, 24 मई को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुए। चुनाव में श्री सुशील बडजात्या निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुए। उनके निर्विरोध निर्वाचन की घोषणा होते ही समाजजनों में हर्ष एवं उत्साह का माहौल बन गया तथा उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित की गईं। चुनाव प्रक्रिया के दौरान पंडित घनश्याम शास्त्री को सर्वसम्मति से चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया। उनकी देखरेख में पूरी चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुई। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अशोक काला ने नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री सुशील बडजात्या का माला पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। समाज के वरिष्ठजनों एवं गणमान्य नागरिकों ने श्री बडजात्या को बधाई देते हुए कहा कि यह जीत उनके समाजसेवा, समर्पण एवं सरल व्यक्तित्व का परिणाम है। समाजजनों ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में पंचायत समाजहित में नए आयाम स्थापित करेगी तथा विकास एवं जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलेगी।

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबी नगर द्वारा जीवदया सेवार्थ कार्यक्रम आयोजित

भीषण गर्मी में व्याकुल एवं निराश्रित बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ग्रुप की अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या द्वारा सभी सदस्यों को परिंडे वितरित किए गए। उन्होंने सभी से घरों एवं पार्कों में परिंडे लगाकर नियमित रूप से पानी भरने तथा पक्षियों की प्यास बुझाने का आग्रह किया...

जयपुर. शाबाश इंडिया। दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप गुलाबीनगर द्वारा 24 मई 2026 को सदस्यों के सहयोग से सामाजिक एवं जीवदया सेवा के अंतर्गत भीषण गर्मी में दुर्गापुरा गौशाला में पशुओं के लिए हरा चारा, लड्डू, मतीरा, तरबूज एवं रोटियों की व्यवस्था कर सेवा कार्य किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के संरक्षक सुरेंद्र पांड्या, निवर्तमान अध्यक्ष सुनील बज एवं वरिष्ठ सलाहकार पदम भांवसा की गौरवमयी उपस्थिति रही। इस अवसर पर अध्यक्षा सुशीला विनोद बड़जात्या, सचिव महावीर मुन्ना देवी पांड्या, कोषाध्यक्ष निर्मल उषा सेठी, रमेश गुणमाला जैन, प्रकाश कांता पाटनी, धर्मचंद शैलबाला जैन, विनोद किरण झांझरी, रतन आशा सोगानी, शांतिलाल जैन, विजय जैन, रत्नप्रभा शाह, सुनील मीना काला, नरेन्द्र विनिया कासलीवाल, प्रकाश रजनी कासलीवाल, प्रदीप अर्चना जैन, अजय आभा जैन, विनय अजमेरा, ललित सुनीता जैन सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। भीषण गर्मी में व्याकुल एवं निराश्रित बेजुबान पक्षियों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से ग्रुप की अध्यक्षा सुशीला बड़जात्या द्वारा सभी सदस्यों को परिंडे वितरित किए गए। उन्होंने सभी से घरों एवं पार्कों में परिंडे लगाकर नियमित रूप से पानी भरने तथा पक्षियों की प्यास बुझाने का आग्रह किया। कार्यक्रम के पश्चात सभी सदस्यों ने अल्पाहार ग्रहण किया। अंत में सचिव महावीर पांड्या ने सभी सदस्यों का धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर सूर्य नगर में ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविर में उमड़ी भक्ति की लहर

समाज श्रेष्ठियों ने बांटी प्रभावना, उपहार पाकर बच्चे हुए उत्साहित

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति सांगानेर एवं अखिल भारतीय श्रमण संस्कृति महिला महासमिति के संयुक्त तत्वावधान में तारों की कूट स्थित सूर्य नगर के श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आयोजित 12 दिवसीय ग्रीष्मकालीन संस्कार शिक्षण शिविर में समाज के बच्चे, महिलाएं एवं पुरुष उत्साहपूर्वक भाग लेकर धर्म एवं संस्कारों का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। यह शिविर 28 मई तक आयोजित किया जा रहा है। शिविर में बच्चों को छोटी-छोटी राइम्स एवं रोचक गतिविधियों के माध्यम से धार्मिक संस्कार सिखाए जा रहे हैं। सूर्य नगर सम्भाग अध्यक्ष पुष्पा पाटोदी एवं महामंत्री सुधा जैन मालपुरा ने बताया कि शिविर में जैन दिनचर्या, पाश्चात्य संस्कृति, आध्यात्मिक भजन, हाईकू सहित अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। सूर्य नगर सम्भाग की युवा प्रकोष्ठ मंत्री दीपिका जैन कोटखावदा ने बताया कि संस्थान से पधारी विदुषियों द्वारा सरल एवं रुचिपूर्ण शैली में अध्ययन करवाकर प्रश्नोत्तर के माध्यम से धर्म एवं संस्कारों की प्रभावना की जा रही है। शिविर की कोषाध्यक्ष अंजू पापड़ीवाल, महिला प्रकोष्ठ मंत्री सुमिता पाटनी एवं धार्मिक मंत्री रेणु कासलीवाल ने बताया कि शिविर के दौरान प्रतिदिन लगभग 50 बच्चों को उत्साहवर्धन हेतु प्रभावना स्वरूप उपहार वितरित किए जा रहे हैं। इस क्रम में मैना देवी, मुन्ना देवी तथा विनोद-दीपिका जैन कोटखावदा परिवार की ओर से दो दिनों तक उपहार वितरित किए गए। इसके अतिरिक्त ज्योति जैन, ललित-मीनाक्षी सोनी, इंदु-प्रकाश टोंग्या, अभय-अनीता लुहाड़िया, रितेश-सुमिता पाटनी एवं कैलाश, सुनील-मृदुला सरनका परिवार द्वारा भी बच्चों को उपहार वितरित कर उत्साहवर्धन किया जाएगा। शिक्षण शिविर के माध्यम से बच्चों एवं बड़ों में धर्म के प्रति श्रद्धा, संस्कार एवं नैतिक मूल्यों का वातावरण विकसित हो रहा है। राजस्थान जैन सभा जयपुर के उपाध्यक्ष विनोद जैन कोटखावदा ने शिक्षण शिविर को केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि संस्कार एवं नैतिक शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र बताया। संयोजक कविता लुहाड़िया, रेणू गोधा एवं ऋचा जैन ने बताया कि सूर्य नगर जैन मंदिर में प्रथम बार आयोजित इस शिक्षण शिविर में छहढाला के माध्यम से चारों गतियों के दुखों को समझाया गया। मंदिर समिति अध्यक्ष नवीन जैन ने बच्चों को धर्म का महत्व बताते हुए कहा कि धर्म को दैनिक जीवन में सहज रूप से अपनाना चाहिए। वहीं रविता सेठी ने बच्चों को प्रतिदिन जिनेंद्र देव के दर्शन करने, अभिषेक करने एवं संयुक्त परिवार में रहने के लिए प्रेरित किया। शिविर का समापन रविवार, 28 मई को होगा।

दीपिका जैन कोटखावदा
युवा प्रकोष्ठ मंत्री
श्री दिगम्बर जैन महिला महासमिति
सूर्य नगर, तारों की कूट सम्भाग

बंधन दिवस पर शांति विधान का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

डॉ. एम.एल. जैन मणि एवं डॉ. शांति जैन मणि ने अपने 60वें बंधन दिवस के उपलक्ष्य में धार्मिक आयोजन करते हुए विधान का आयोजन किया। इस अवसर पर डॉ. एम.एल. जैन मणि ने मंदिरजी में भगवान का अभिषेक एवं शांतिधारा की। इसके पश्चात दुगार्पुरा जैन मंदिरजी में पूज्य पूर्णमति माताजी द्वारा रचित शांति विधान का आयोजन नमोकार किट्टी ग्रुप की सदस्याओं द्वारा बड़े हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में आचार्य प्रज्ञा सागर महाराज ससंघ का आशीर्वाद भी प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी श्रद्धालुओं ने मणि दम्पति का स्वागत एवं अभिनंदन किया। मंदिर अध्यक्ष प्रकाशचंद्र चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र काला ने भी मणि दम्पति को शुभकामनाएं प्रेषित कीं। विधान आयोजन में डॉ. मनीष जैन मणि एवं डॉ. अलका जैन का विशेष सहयोग रहा। अंत में डॉ. मणि ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

जोबनेर जैन समाज ने राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति एवं न्यायिक जांच की मांग को लेकर सौंपा ज्ञापन

जोबनेर. शाबाश इंडिया

सकल दिगम्बर जैन समाज जोबनेर द्वारा विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा को लेकर उपखंड अधिकारी जोबनेर सुश्री नेहा राठी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में हाल ही में रीवा, मध्यप्रदेश में आर्यिका माताजी के साथ हुई दुखद घटना पर गहरा दुःख व्यक्त करते हुए मामले की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच की मांग की गई। समाजजनों ने चंद्रप्रभु मंदिरजी से मौन जुलूस निकाला, जो कस्बे के मुख्य मार्गों से होकर रैली के रूप में ज्ञापन स्थल तक पहुंचा। ज्ञापन में बताया गया कि जैन साधु-संत पूर्णतः अहिंसक, निःस्वार्थ एवं पैदल विहार करने वाले तपस्वी होते हैं, जो समाज में शांति, संयम एवं अहिंसा का संदेश फैलाते हैं। ऐसे संतों के साथ लगातार बढ़ती दुर्घटनाओं एवं हमलों को समाज ने अत्यंत चिंताजनक बताया। समाजजनों ने कहा कि उपलब्ध तथ्यों एवं वीडियो क्लिपों के आधार पर इस घटना को केवल सामान्य सड़क दुर्घटना नहीं माना जा सकता, जिससे समाज में गहरी चिंता एवं आक्रोश का वातावरण व्याप्त है। ज्ञापन के माध्यम से इस प्रकरण की एसआईटी अथवा न्यायिक जांच करवाने, विहाररत जैन साधु-संतों की सुरक्षा हेतु विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू करने तथा राष्ट्रीय संत सुरक्षा नीति बनाए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही नावां सिटी, फुलेरा, किशनगढ़ रेनवाल सहित क्षेत्र के विभिन्न गांवों एवं कस्बों के समाजबंधुओं ने भी मौन जुलूस निकालकर अपने-अपने क्षेत्र के एसडीएम को ज्ञापन सौंपे। समाजजनों ने प्रशासन से निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शीघ्र कार्रवाई करने की मांग करते हुए समाज की भावनाओं से अवगत कराया।

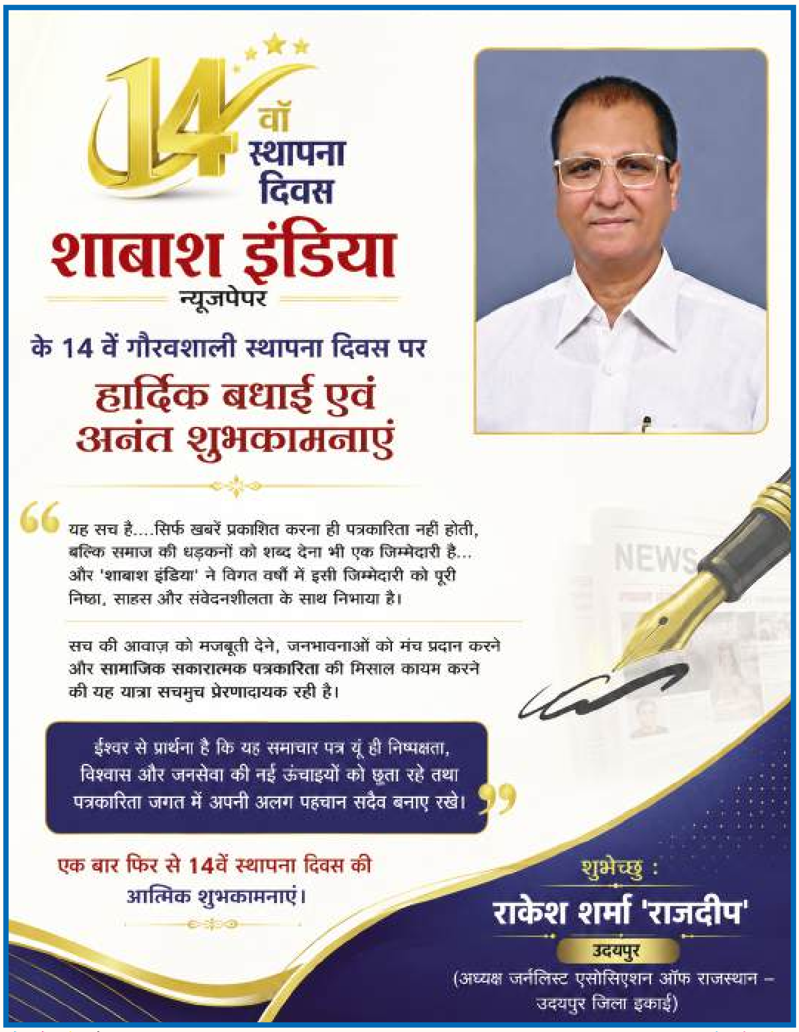

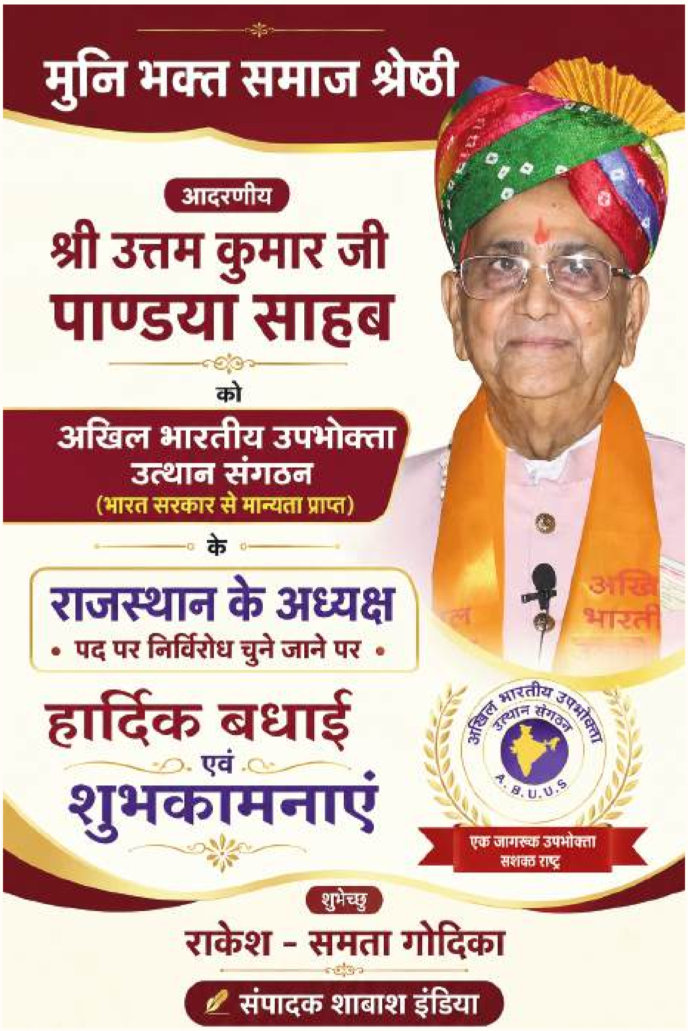

रीवा की दर्दनाक घटना से जैन समाज में आक्रोश, संत-साध्वियों की सुरक्षा को लेकर सड़कों पर उतरा समाज

मौन जुलूस निकाल जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन, संत सुरक्षा हेतु स्थायी व्यवस्था की मांग

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

मध्यप्रदेश के रीवा में दो पूज्य जैन साध्वीजी के सड़क दुर्घटना में देवलोकगमन की दुखद घटना ने संपूर्ण भारतवर्षीय जैन समाज को गहरे शोक एवं वेदना से भर दिया है। इस हृदयविदारक घटना को लेकर भीलवाड़ा सकल जैन समाज के विभिन्न संगठनों द्वारा गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए संत-साध्वी सुरक्षा के लिए ठोस एवं स्थायी व्यवस्था की मांग उठाई गई। सकल दिगम्बर जैन समाज के अध्यक्ष प्रवीण चौधरी एवं मंत्री नरेश गोधा ने जानकारी देते हुए बताया कि यह घटना केवल जैन समाज ही नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता एवं धार्मिक आस्था को झकझोर देने वाली है। अहिंसा, संयम, सदाचार एवं मानव कल्याण का संदेश लेकर पदविहार करने वाले साधु-साध्वीजन सदैव समाज को सत्य एवं सद्मार्ग की प्रेरणा देते हैं। ऐसे पूज्य संतों की विहार यात्रा के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करना शासन एवं प्रशासन की नैतिक तथा संवैधानिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जैन साधु-साध्वी कठिन तप, त्याग एवं संयमपूर्ण जीवन व्यतीत करते हुए पैदल विहार करते हैं। वे किसी वाहन का उपयोग नहीं करते तथा नगर-नगर जाकर अहिंसा, करुणा एवं मानवता का संदेश फैलाते हैं। ऐसे में उनके विहार मार्गों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था का अभाव चिंता का विषय है। रीवा की घटना प्रशासनिक लापरवाही एवं सुरक्षा प्रबंधन पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़े करती है। इस दुखद घटना के विरोध एवं संत सुरक्षा की मांग को लेकर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांति भवन, दिगम्बर जैन समाज, तेरापंथ जैन समाज तथा मार्गी जैन समाज के संयुक्त तत्वावधान में शहर में मौन रैली निकाली गई। बड़ी संख्या में समाजजन हाथों में बैनर एवं श्रद्धांजलि संदेश लेकर शांतिपूर्वक रैली में शामिल हुए। मौन रैली के माध्यम से समाज ने दिवंगत साध्वीजी को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शासन-प्रशासन का ध्यान संत सुरक्षा की ओर आकर्षित किया। रैली के पश्चात जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मांग की गई कि रीवा की घटना की निष्पक्ष एवं उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। साथ ही भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए संतों के विहार मार्गों

पर विशेष सुरक्षा प्रोटोकॉल लागू किया जाए। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि जब भी जैन साधु-संत एवं साध्वीजी का विहार एक स्थान से दूसरे स्थान के लिए हो, तब पुलिस प्रशासन की सुरक्षा गाड़ी उनके साथ चले, ताकि किसी भी प्रकार की दुर्घटना अथवा अप्रिय स्थिति से बचाव हो सके। समाजजनों ने कहा कि संत समाज देश की आध्यात्मिक चेतना का आधार है और उनकी सुरक्षा केवल एक समुदाय का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत की रक्षा से जुड़ा प्रश्न है। समाज के प्रतिनिधियों ने केंद्र एवं विभिन्न राज्य सरकारों से संत सुरक्षा के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करने तथा विशेष सुरक्षा तंत्र विकसित करने की मांग की। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए तो ऐसी घटनाएं समाज की धार्मिक भावनाओं को लगातार आहत करती रहेंगी। सुनील चपलोत ने जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ शांति भवन के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद चीपड़, कंवरलाल सूरिया, मूर्तिपूजक संघ अध्यक्ष विनोद बंब, तेरापंथ सभा अध्यक्ष जसराज चोरड़िया, हेमंत कोठारी, सकल दिगम्बर जैन समाज उपाध्यक्ष प्रकाश गंगवाल, जंबू भैंसा, महामंत्री लोकेश अजमेरा, मंजू पोखरना, नीता बाबेल, पुष्पा गोखरू, भारती जैन, सुनीता पाटनी, सुभाष हुमड़, प्रकाश छाबड़ा सहित विभिन्न जैन समाजों के पदाधिकारी, महिलाएं एवं बड़ी संख्या में समाजजन मौन जुलूस में शामिल हुए तथा जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। सभी ने रीवा की दुखद घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए जैन संतों एवं साध्वियों की सुरक्षा के लिए प्रभावी एवं स्थायी व्यवस्था लागू करने की मांग की।

"स्वस्थ नारी-समृद्ध परिवार" के संकल्प के साथ भव्य महिला एवं परिवार वेलनेस कैंप आयोजित

ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट एवं ज़िविया आईवीएफ की अनूठी पहल ने जीता लोगों का दिल

जयपुर. शाबाश इंडिया

समाज सेवा एवं महिला स्वास्थ्य जागरूकता की दिशा में सराहनीय पहल करते हुए ह्यूमन ग्लोरी फाउंडेशन ट्रस्ट एवं ज़िविया आईवीएफ, सी-स्कीम जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में भव्य "वूमेन एंड फैमिली वेलनेस कैंप" का सफल आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओं एवं परिवारों के स्वास्थ्य को केंद्र में रखते हुए निःशुल्क जांच, परामर्श एवं जागरूकता सेवाएं प्रदान की गईं। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि चारू शर्मा, डिप्टी कमिश्नर जीएसटी, राजस्थान सरकार रहीं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि "एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और मजबूत समाज की नींव होती है।" उन्होंने संस्था द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से सराहना की। संस्था के संस्थापक अध्यक्ष प्रमोद जैन भंवर एवं कोषाध्यक्ष मनीषा जैन कुसुम ने बताया कि शिविर का उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के प्रति जागरूक करना तथा समय रहते उचित परामर्श उपलब्ध करवाना है। शिविर में महिलाओं के लिए अल्ट्रासाउंड, बीएमआई चेकअप, टीएसएच एवं आरबीएस टेस्ट, डाइटरी एडवाइस, पीसीओडी/पीएमओएस कंसल्टेशन एवं इंफर्टिलिटी गाइडेंस जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं निःशुल्क उपलब्ध करवाई गईं। शिविर में ज़िविया आईवीएफ की विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. सपना चौधरी एवं डॉ. आकृति पांडेय ने महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी एवं परामर्श प्रदान किए। बड़ी संख्या में महिलाओं एवं परिवारों ने शिविर में भाग लेकर लाभ उठाया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध दूरदर्शन एंकर अर्पिता माथुर, मोनिका जैन, विकास जैन, शीतल जैन, रोहित ज्योति, अर्चना, प्रेरणा जोशी, नवरतन देवी एवं मार्केटिंग हेड कुंदनजी विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने संस्था के सामाजिक सरोकारों एवं जनहित कार्यों की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक पहल बताया। शिविर के दौरान सभी प्रतिभागियों के लिए आकर्षक उपहारों की भी व्यवस्था की गई, जिससे कार्यक्रम में उत्साह एवं अपनापन देखने को मिला।

विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल 2026

युवाओं को स्टार्टअप और उद्यमिता की प्रेरणा

जयपुर. शाबाश इंडिया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय (भारत सरकार) के तत्वावधान में 'माय भारत' जयपुर द्वारा अखिल भारतीय तेरापंथ युवक परिषद एवं जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन के सहयोग से ''विकसित भारत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल 2026'' का सफल आयोजन किया गया। एस.एस. जैन सुबोध पी.जी. कॉलेज में आयोजित यह कार्यक्रम ''विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग'' पहल का हिस्सा था, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को स्टार्टअप और उद्यमिता के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन से हुआ। इस अवसर पर एनएसएस के आर.डी. डॉ. एस.पी. भटनागर, 'माय भारत' राजस्थान के स्टेट डायरेक्टर श्री देवेंद्र व्यास, खक्ळड राजस्थान चैप्टर के चीफ सेक्रेटरी श्री हितेश भांडिया, सुबोध कॉलेज की प्राचार्य डॉ. रेनू जोशी एवं तेरापंथ युवक परिषद के अध्यक्ष श्री रवि छाजेड़ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. रेनू जोशी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विद्यार्थियों को 'रोजगार खोजने वाले' के बजाय 'रोजगार प्रदाता' बनने का संदेश दिया। श्री हितेश भांडिया ने देश में स्टार्टअप संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया और युवाओं से नवाचार आधारित सोच विकसित करने का आह्वान किया। विशेष पैनलिस्ट के रूप में उपस्थित इंडिबनी ग्रुप के श्री नितिन जैन और एसीआईसी वीजीयू फाउंडेशन के सीईओ श्री गौरव शर्मा ने स्टार्टअप इकोसिस्टम व नेतृत्व विकास पर महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया। उन्होंने सीमित संसाधनों में भी व्यवसाय शुरू करने और उपलब्ध अवसरों का सही उपयोग करने के गुर सिखाए। इसी क्रम में डॉ. देवेंद्र व्यास ने चूरू के एक युवा की प्रेरक कहानी साझा करते हुए बताया कि दृढ़ इच्छाशक्ति के आगे भौगोलिक सीमाएँ बाधा नहीं बनतीं। उन्होंने युवाओं को 'माय भारत' पोर्टल की खूबियाँ बताते हुए इस पर पंजीकरण करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. एस.पी. भटनागर ने व्यावसायिक शिक्षा को आत्मनिर्भर भारत का मूलमंत्र बताया। कार्यक्रम के दौरान श्इ छऊकी एक इंस्पिरेशनल वीडियो दिखाई गई और 'माय भारत' के स्वयंसेवक दीपक शर्मा ने **"Making India the Startup Capital of the World"** विषय पर पीपीटी प्रस्तुति दी। अंत में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन और 'विकसित भारत @2047' पर चर्चा की गई। युवाओं ने राष्ट्र निर्माण और इनोवेशन से जुड़े सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का समापन डॉ. विशाल गौतम के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।